CNEWS सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-76
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर शुक्रवार, 21 जून 2024

आज का विचार

थकान कभी भी काम के कारण नहीं होती बल्कि...
चिंता, निराशा, भय और असंतोष के कारण होती है...

अंतरराष्ट्रीय योग दिवसःयोग से युवाओं के लिए रोजगार के द्वार खुले

जम्मू-कश्मीर योग साधना की भूमि- प्रधानमंत्री मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी श्रीनगर में 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस समारोह में शामिल हुए। 21 जून को देशभर के अलग-अलग शहरों में योगाभ्यास के कार्यक्रम आयोजित किए गए। पीएम मोदी ने डल झील के किनारे योग दिवस पर राष्ट्र को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि योग प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए आज दुनियाभर के नामी विश्वविद्यालयों और संस्थानों में इस पर रिसर्च हो रही है। दुनिया एक नई योग अर्थव्यवस्था की शुरुआत की गवाह बन रही है। फिटनेस के लिए पर्सनल योग ट्रेनर्स की मांग तेजी से बढ़ी है। जिसने युवाओं के लिए रोजगार के नए रास्ते खोले हैं। योग दिवस का मुख्य कार्यक्रम डल झील के किनारे हुआ। जिसमें करीब 7000 लोग शामिल हुए। हालांकि, बारिश की वजह से कार्यक्रम में थोड़ा बदलाव किया गया और पीएम मोदी ने संबोधन के बाद शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर के हॉल में योगाभ्यास किया।

देश में योग टूरिज्म बढ़ा- दुनियाभर से लोग भारत आए -पीएम मोदी ने कहा- 2014 के बाद योग के विस्तार ने इसके आसपास की धारणाओं को पूरी तरह से बदल दिया है। आज दुनिया एक नई योग अर्थव्यवस्था की शुरुआत की गवाह बन रही है। भारत में ऋषिकेश और काशी से लेकर केरल तक, हम योग पर्यटन में एक बढ़ता ट्रेंड देखते हैं। कई देशों से टूरिस्ट सर्टिफाइड योग एक्सपीरियंस की तलाश में भारत आते हैं। फिटनेस रूटीन के लिए पर्सनल योग ट्रेनर्स की मांग तेजी से बढ़ रही है। इन विकासों ने देश में युवाओं के लिए नए द्वार खोले हैं, रोजगार के अवसर प्रदान किए हैं।

नामी विश्वविद्यालय और संस्थानों में योग पर रिसर्च जारी

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र ने कहा कि योग के विस्तार ने रोजगार पैदा किया है। भारत में इस साल फ्रांस की 101 वर्षीय महिला योग शिक्षिका को पद्मश्री से सम्मानित किया गया। वह कभी भारत नहीं आईं, लेकिन उन्होंने अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। योग को लेकर जागरूकता लाने के लिए आज दुनियाभर के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों और संस्थानों में इस पर रिसर्च हो रही है। पिछले एक दशक में योग के परिवर्तनकारी प्रभाव पर प्रकाश डाला गया है। आज वैश्विक नेता योग की बात करते हैं।

मोहन यादव ने किया योगाभ्यास

राज्यस्तरीय कार्यक्रम में श्रीअन्न संवर्धन का शुभारंभ

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर पूरे मध्य प्रदेश में उत्सव जैसा माहौल है। बारिश के कारण भोपाल में होने वाले मुख्य कार्यक्रम का आयोजन लाल परेड मैदान की जगह मुख्यमंत्री निवास हुआ। यहां सीएम डॉ. मोहन यादव ने योगाभ्यास किया। मुख्यमंत्री ने राज्यस्तरीय योगाभ्यास कार्यक्रम में श्रीअन्न संवर्धन अभियान का शुभारंभ भी किया। इधर उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा मंदसौर, उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा में योग किया। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली में योग किया।

योग को हमने पाठ्यक्रम का हिस्सा मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बधाई दी। साथ ही कहा कि 10 साल पहले भारत ने संयुक्त राष्ट्र में योग से निरोग का प्रस्ताव रखा था, जो पारित हुआ। आज दुनिया योग के कार्यक्रम कर रही है। सीएम ने कहा कि योग को हमने पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया है। योग के शिक्षकों को बराबर का दर्जा देने का प्रयास किया है।

सरकार 11 आयुर्वेदिक कॉलेज खोल रही सीएम ने कहा कि योग से हम शारीरिक, मानसिक शांति पाते हैं। योग की कल्पना की गई कि हम अपने जीवन के 100 साल पूरा करें। सीएम ने कहा कि हमारी सरकार 11 नए आयुर्वेदिक कॉलेज खोल रही है। इससे आयुर्वेद के क्षेत्र में प्रदेश की भूमिका बड़े स्तर पर सामने आएगी।

जांच में रेल हादसे की वजह का हुआ खुलासा

मालगाड़ी के चालक दल की लापरवाही बनी 10 लोगों की मौत की वजह

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कंजनजंघा एक्सप्रेस हादसे की शुरूआती जांच में खुलासा हुआ है कि मालगाड़ी के चालक दल और जलपाइगुड़ी डिवीजन के परिचालन विभाग की लापरवाही से हादसा हुआ। सोमवार को एक मालगाड़ी ने कंचनजंघा एक्सप्रेस को दार्जिलिंग जिले के फांसीदेवा इलाके में पीछे से टक्कर मार दी थी। इस हादसे में 10 लोगों की मौत हो गई थी। मरने वालों में यात्री ट्रेन का गार्ड और मालगाड़ी का चालक भी शामिल है। हादसे के बाद रेलवे बोर्ड की चेयरपर्सन जया वर्मा सिन्हा ने कहा था कि मालगाड़ी के ड्राइवर ने सिग्नल को अनदेखा किया, जिस वजह से यह हादसा हुआ। रेलवे सेफ्टी के कमिश्नर ने इस हादसे की विस्तृत जांच कर रहे हैं। वहीं हादसे के तुरंत बाद रेलवे ने छह वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम बनाई, जिसे शुरूआती जांच का जिम्मा दिया गया था। अब जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट दाखिल कर दी है। इस रिपोर्ट के मुताबिक पांच अधिकारियों ने पाया है कि हादसे में मालगाड़ी के ड्राइवर ने सिग्नल का उल्लंघन किया, साथ ही स्पीड लिमिट का भी उल्लंघन किया। वहीं एक अधिकारी का कहना है कि न्यू जलपाइगुड़ी रेल डिवीजन के परिचालन विभाग की लापरवाही है और वह रानीपात्रा और चतरहाट जंक्शन के रूट को सुरक्षित करने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठा सका। मालगाड़ी के चालक ने नियमों का पालन नहीं किया जांच समिति के अधिकतर सदस्यों का मानना है कि मालगाड़ी के चालक ने नियमों का पालन नहीं किया और खतरनाक तरीके से ऑटोमैटिक सिग्नल को पार किया, साथ ही ट्रेन की स्पीड की नियमों से ज्यादा रखी, जिस वजह से दोनों ट्रेनों की टक्कर हुई। उल्लेखनीय है कि हादसे के बाद न्यू जलपाइगुड़ी डिवीजन के चीफ लोको इंस्पेक्टर ने बताया कि 17 जून की सुबह 5.50 बजे ऑटोमैटिक और सेमी ऑटोमैटिक सिग्नल काम नहीं कर रहे थे। ऐसी स्थिति में नियमों के मुताबिक पूरे सेक्शन (रानीपात्रा से लेकर चतरहाट जंक्शन) को पूरी तरह से ब्लॉक सिस्टम में बदला जाना चाहिए था और सेक्शन पर एक समय में एक ही ट्रेन को गुजरने की अनुमति दी जानी चाहिए थी।

आरक्षण पर हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाएगी बिहार सरकार

डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी का ऐलान, आरजेडी ने भी किया समर्थन

पटना। पटना हाईकोर्ट द्वारा बिहार आरक्षण कानून रद्द करने के फैसले पर बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने बड़ा बयान देते हुए कहा कि राज्य सरकार पटना हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का रुख करेगी। उन्होने कहा कि पटना हाईकोर्ट के फैसले का अध्ययन किया जा रहा है। हम कानूनविदों के संपर्क में है। डिप्टी सीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में जातीय गणना करा कर बिहार में आरक्षण का दायरा बढ़ाया गया था। वैसे भी बिहार में सभी वर्गों को आरक्षण है। एससी, एसटी, अति पिछड़ों, पिछड़ों के साथ साथ गरीब सवर्णों को भी आरक्षण दिया गया है। और हमें उम्मीद है कि सुप्रीम कोर्ट से न्याय मिलेगा।

पटना हाईकोर्ट के द्वारा बिहार में आरक्षण की सीमा को 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 फीसदी करने के नीतीश सरकार के फैसले को रद्द कर दिए जाने के बाद राज्य की सियासत गर्मा गई है। इस मामले पर आरजेडी ने भी सुप्रीम कोर्ट के दरवाजे को खट खटाने की बात कही है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने कहा कि अगर राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट नहीं जाएगी तो आरजेडी सुप्रीम कोर्ट जाएगी। बिहार सरकार के 65 फीसदी आरक्षण बढ़ाने वाले कानून को पटना हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया है। बीते साल नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली महागठबंधन की सरकार ने जातीय सर्वेक्षण रिपोर्ट के आधार पर ईबीसी, ओबीसी, दलित और आदिवासी का आरक्षण बढ़ाकर 65 परसेंट कर दिया था। वहीं आर्थिक रूप से पिछड़े सर्वणों के 10 प्रतिशत आरक्षण को मिलाकर बिहार में सरकारी नौकरी, शैक्षणिक संस्थानों में आरक्षण का कोटा 75 फीसदी तक पहुंच गया था।

प्रचंड गर्मी से कोहराम, निगमबोध मुक्तिधाम पर दोगुना हुए अंतिम संस्कार

दिल्ली में 48 घंटे में 150 लोगों की गई जान

नई दिल्ली। दिल्ली जानलेवा गर्मी से जूझ रही है। यह भीषण गर्मी लोगों की जान पर आ गई है। घर के बाहर ही नहीं, घर के अंदर भी लोग हीट स्ट्रोक का शिकार हो रहे हैं। पिछले 48 घंटे में दिल्ली के प्रमुख अस्पतालों में 116 ब्रॉट डेड (अस्पताल पहुंचने से पहले मौत) मरीजों की पुष्टि हुई है, जबकि 30 मरीजों की मौत हीट स्ट्रोक और हीट संबंधित बीमारी की वजह से हुई है। हालांकि, ब्रॉट डेड मरीजों की मौत की वजह सीधे तौर पर हीट नहीं माना जा रहा है। एक्सपर्ट भी मानते हैं कि इतनी बड़ी संख्या में एक दिन में इतने ब्रॉट डेड मरीज नहीं आते हैं, कहीं न कहीं मौत की वजह हीट भी हो सकती है। दिल्ली में लू वाली स्थिति पहले 22 मई से 4 जून के बीच रही। फिर 17 जून से लेकर अब तक यह जारी है। आरएमएल अस्पताल में इस गर्मी में पहली बार हीट स्ट्रोक यूनिट बनाया गया। यहां पर हीट स्ट्रोक के मरीजों के फीवर को कम करने के लिए ठंडे पानी से कूलिंग की व्यवस्था की गई। इमरजेंसी डिपार्टमेंट की हेड डॉक्टर सीमा वासनिक ने बताया कि लोग हीट स्ट्रोक को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। मंगलवार को एक 82 साल की महिला को

हाई ग्रेड फीवर में लाया गया था। उनका ब्लड प्रेशर था ही नहीं। सांस फूल रही थी। वेंटिलेटर पर थीं। बहुत ही क्रिटिकल स्थिति में थीं, हम उन्हें बचा नहीं पाए। डॉक्टर सीमा ने कहा कि लोग 102 से लेकर 107 डिग्री तक फीवर में आ रहे हैं। जब मरीज लंबे समय तक इस तरह फीवर में रहता है तो उसके बॉडी का एंजाइम काम नहीं करता और शरीर के सभी अंगों पर इसका असर होता है। ऐसे मरीज को पूरी तरह ठीक नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि बुधवार को 5 नए मरीज आए जिसमें से तीन महिला हैं। उसमें एक किसी घर में काम कर रही थी। उसके मालिक को लगा कि उसकी तबियत ठीक नहीं है, फीवर है। यहां लाया तो उसे 105 डिग्री तक बुखार था। लेकिन अब ठीक है।

क्या कह रहे डॉक्टर गंगाराम हॉस्पिटल के माइक्रोबायोलॉजिस्ट डॉक्टर चांद वाट्टल ने कहा कि इस समय लोगों को दस्त भी परेशान कर रहा है, जो वायरल या बैक्टीरियल हो सकते हैं। जल जनित बैक्टीरियल संक्रमण जैसे कि हैजा, शिगेला डिसेंट्री या गैर-टाइफॉइडल साल्मोनेला होते हैं और इन्हें केवल डफर से इलाज करना चाहिए, जो आजकल आसानी से उपलब्ध हैं। यदि व्यक्ति इसे मुंह से ले सकता है तो यह सबसे अच्छा इलाज है। यदि अधिक दस्त हो रहा है तो डॉक्टर के पास जाना चाहिए।

गर्मी ने बदला फलों का स्वाद...आम और केले भी आए चपेट में

पकने से पहले ही सूख कर गिर रहे जामुन, खीरा हो रहा कड़वा

नई दिल्ली। देश में पड़ रही भीषण गर्मी का असर अब घरों में बनने वाली सब्जियों के साथ सलाद और फलों पर भी नजर आ रहा है। गर्मी के कारण पहले ही सब्जियों और फलों की आवक बाजार में कम हो गई है। लेकिन जो सब्जियां और फल मंडी में आ रहे हैं, उनमें भी ज्यादातर में कड़वाहट है। खीरे कड़वे हो गए हैं, जबकि जो जामुन बाजार में आए है वह भी ठीक से पके नहीं हैं। आम और केले के स्वाद का भी बदल गया है। दरअसल, पूरा उत्तर भारत इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। हीटवेव के कारण बीते कई दिनों से फल-सब्जियों की कीमतों में उछाल देखने को मिल रहा है। पिछले एक हफ्ते में कई सब्जियों के दाम दोगुने हो गए हैं। बढ़ते तापमान के कारण खेतों में हरी सब्जियों के पौधे भी जल गए हैं। जिससे आवक प्रभावित हुई है। तापमान और तेज धूप की वजह से खेतों में ही हरी सब्जियों के पौधे सूख रहे हैं। वहीं, दूसरी तरफ जो कुछ सब्जियां मंडी तक पहुंच रही हैं। वह भी भीषण गर्मी के कारण खराब हो रही हैं। टमाटर, घीया, तोरई की फसल नष्ट हो गई है। इसका असर अब बाजारों पर 50 फीसदी तक दामों में उछाल देखने को मिल रहा है।

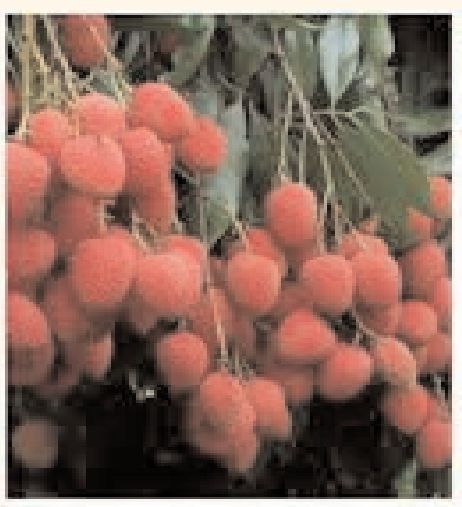

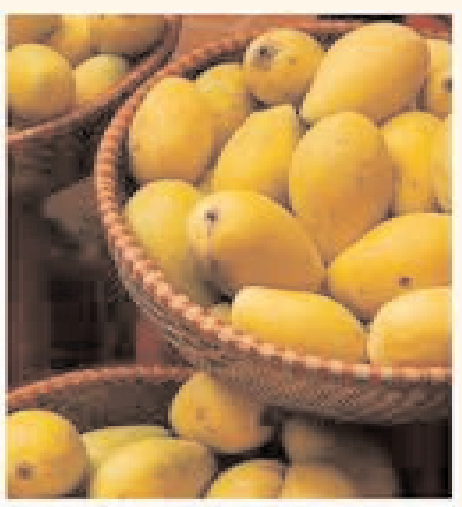

ज्यादा गर्मी से हरी सब्जियों की सप्लाई घटी

दिल्ली-एनसीआर की सबसे बड़ी आजादपुर मंडी के व्यापारियों का कहना है कि ज्यादा गर्मी से हरी सब्जियों की सप्लाई घटी है। गर्मी में आम के बाद जामुन का लोगों को इंतजार रहता है। अभी यूपी का जामुन बाजार में नहीं आया है। कुछ जगहों में जामुन नजर आ रहा है, लेकिन वह दूसरे राज्यों का है। भारत में दक्षिण से लेकर उत्तर में गंगा-सिंधु के मैदानों तक इसका उत्पादन किया जाता है। यूपी के अलावा महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गुजरात, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक प्रमुख जामुन उत्पादक राज्य हैं।

सिंगल कॉलम

इंडिगो की दिल्ली उड़ान इस माह दूसरी बार हुई निरस्त, यात्री परेशान

इंदौर। इंदौर से दिल्ली के फ्लाइट का संचालन कर रही इंडिगो एयरलाइंस अपनी इंदौर से दिल्ली जाने वाली फ्लाइट को लगातार निरस्त कर रही है। इस महीने में ऐसा दूसरी बार हुआ है जब यह फ्लाइट निरस्त हुई है। हालांकि कंपनी फ्लाइट निरस्त करने के पीछे ऑपरेशनल कारण बता रही है। मई में भी इंदौर से दिल्ली जाने वाली कुछ फ्लाइट्स को निरस्त किया गया था जिस पर यात्रियों एयरपोर्ट परिसर में हंगामा भी किया था। इंडिगो एयरलाइंस ने बुधवार को अपनी दिल्ली उड़ान को एक बार फिर से निरस्त कर दिया। एयरपोर्ट प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार इंडिगो की फ्लाइट 6ए2208 दिल्ली से रात 8.40 बजे उड़ान भरकर रात 9.55 बजे इंदौर आती है, लेकिन बुधवार को कंपनी ने इस उड़ान को निरस्त कर दिया। कंपनी ने इसे ऑपरेशनल कारणों से उड़ान को निरस्त करने की बात कही है। वहीं इंडिगो के अधिकारियों का कहना है कि जानकारी पूर्व में ही यात्रियों को देते हुए उन्हें रिफंड और री बुकिंग का विकल्प दिया गया था, जिससे यात्रियों को परेशान नहीं होना पड़ा।

विश्व संगीत दिवस संगीतमय रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन आज

इंदौर। विश्व संगीत दिवस के अवसर पर शुक्रवार को अभिनव समाज कला केंद्र में गीतिशा म्यूजिकल ग्रुप की ओर से एक संगीतमय रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। गीतिशा म्यूजिकल ग्रुप के आयोजक विजय सोनवाल, अध्यक्ष नितिन धोड़पकर उपाध्यक्ष ऋषि आनंद मीडिया प्रभारी सोनू गांवते एवं सचिव देव कुमार बिरगड़े ने बताया है कि शहर के एवं बाहर से आए गायक कलाकार विश्व संगीत दिवस के अवसर पर इंदौर शहर के अभिनव समाज कला केंद्र में शाम 6 से रात 11 बजे तक अपनी प्रस्तुति देंगे। इस अवसर पर महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक संजय शुक्ला एवं चिंतन बाकलीवाल कलाकारों का सम्मान करेंगे।

दिगंबर जैन सोशल ग्रुप की शिक्षा सेवा व छात्रवृत्ति योजना का शुभारंभ

इंदौर। दिगंबर जैन सोशल ग्रुप इंदौर नगर विगत 30 वर्षों से शहर के विभिन्न विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के साथ रियायती दरों पर कॉपियों का वितरण करता आ रहा है। यह बहुत ही सराहनीय योजना है। इससे अनेक बच्चे ऊंचाइयों पर पहुंचकर संस्था की सेवाओं को याद करेंगे।

यह बात डीएवीवी की कुलपति रेणु जैन ने दिगंबर जैन सोशल ग्रुप इंदौर द्वारा आयोजित शिक्षा सेवा और छात्रवृत्ति वितरण योजना के शुभारंभ अवसर पर सुखलिया में कही। ग्रुप अध्यक्ष सुधीर रजनी जैन सचिव नीरज सीमा जैन, चेयरमैन अभय बंदी ने बताया कि, शहर में आठ जिनालयों में, छत्रपति नगर कालानी नगर विजयनगर, तिलक नगर, सुखलिया, सुदामा नगर गोयल नगर क्लर्क कॉलोनी में तीन दिवस तक कॉपी वितरण एवं छात्रवृत्ति के फॉर्म वितरित किए जाएंगे, सातों जिनालयों में एक साथ दीप प्रज्वलन कर समाज श्रैष्ठियों द्वारा शुभारंभ किया। वितरण व्यवस्था व फार्म वितरण सभी केन्द्रों तिलक नगर, गोयल नगर, विजय नगर, सुदामा नगर, छत्रपति नगर, कालानी नगर, क्लर्क कालोनी, सुकल्या पर 23 जून तक सतत चालू रहेगी । कार्यक्रम में सुखलिया में आनंद स्नेहा जैन, विजय नगर नवीन अभिलाषा जैन, धर्मेंद्र जैन,तिलक नगर केंद्र आर के जैन रानेका, श्रीमती पुष्पा कासलीवाल, गोयल नगर संजय बड़जात्या, आशा होलास सोनी अनिल मधु जैन, कालानी नगर गुलाबचंद गोधा, दिलीप छाबड़ा, राजेन्द्र सोगानी, सुभाष बड़कुल, क्लर्क कालोनी मनोज बाकली वाल तेजकुमार काला, पी सी जैन, सुश्री सीमा जैन सुदामानगर, कमल पाडलिया, सोहनलाल सरावगी, प्रदीप चौधरी, व छत्रपति नगर फैडरेशन महासचिव विपुल बॉझल आदि मौजूद थे।

आज एक हजार साधक करेंगे योगाभ्यास का प्रदर्शन

इंदौर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 21 जून को सुबह 6.30 बजे से रेसकोर्स रोड स्थित अभय खेल प्रशाल पर वृहद योग शिविर का आयोजन होगा। इस दौरान पहली बार 'कौन बनेगा चमेलीदेवी प्लेंक पोज स्टार' स्पर्धा भी होगी। इसके पूर्व बीएसएफ, पीटीएस, विभिन्न कॉलेजों के अलावा चमेलीदेवी योग केन्द्र के शहर में वर्तमान में चल रहे केन्द्रों के करीब एक हजार साधक भी लंदन की योग प्रशिक्षक चार्लोट बॉटमली, मुंबई की चांदनी नाथानी एवं रूस से आई आईना गारनूशेनकोवा की विशेष उपस्थिति में अपने योगाभ्यास का प्रदर्शन करेंगे। प्रख्यात योग प्रशिक्षक मनोज गर्ग के निर्देशन में सभी साधक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग, एवं आशा जैन के निर्देशन में ध्यान से जुड़े आयामों का प्रदर्शन करेंगे। बालाजी सेवार्थ विनोद अग्रवाल फाउंडेशन के प्रमुख विनोद अग्रवाल, समाजसेवी प्रेमचंद गोयल एवं शहर के अन्य योग प्रेमी इस मौके पर अतिथि के रूप में शामिल होंगे। कार्यक्रम संयोजक किशोर गोयल एवं राजेश बंसल ने बताया कि सुबह सबसे पहले 6.30 बजे से योगाभ्यास का सिलसिला शुरू हो जाएगा, जो 8.30 बजे तक चलेगा।

मानसून में देरी के कारण शुरू नहीं हुई प्री बुकिंग, महू से पातालपानी तक चलेगी डेमू ट्रेन

अगले माह तक शुरू हो सकती है हेरिटेज ट्रेन

सिटी चीफ इंदौर।

मानसून में देरी के कारण पाताल पानी से कालाकुंड तक चलने वाली हैरिटेज ट्रेन अब जुलाई में शुरू होने की उम्मीद है। जून महीने के लगभग 20 दिन बीत जाने के बाद भी अब तक बारिश के पते नहीं है। प्रदेश में प्री- मानसून दस्तक दे चुका है, लेकिन इंदौर में रुक रुक हो रही बारिश होने से सबसे अधिक प्रभावित हैरिटेज ट्रेन हो रही है। भले ही पाताल पानी पर झरना चल निकला है, लेकिन अब तक रेलवे ने हैरिटेज ट्रेन शुरू करने को लेकर कोई तैयारी नही है।

रेलवे ने बारिश में पर्यटन स्थलों पर आने वाले सैलानियों के लिए 2018 में हैरिटेज ट्रेन शुरू की थी। पश्चिम मध्य रेलवे के पीआरो खेमराज मीणा के मुताबिक मानसून में देरी और यात्रियों की कम संख्या को देखते हुए हैरिटेज ट्रेन को इस बार जुलाई अंत तक चलाए जाने की संभावना है। चूंकि अच्छी बारिश के बाद ही यात्री संख्या में इजाफा होता है, उस लिहाज से निर्णय लिया जाएगा। फिलहाल डेट अनाउंस नही होने के चलते प्री-बुकिंग भी बंद है। रतलाम मंडल द्वारा 25 दिसंबर 2018 से प्रदेश की पहली हैरिटेज ट्रेन का संचालन शुरू किया गया था। जिससे सैलानी पातालपानी से कालाकुंड़ की बादियों को पास देख सफर को रोमांचित बनाते है। इस दौरान यात्री कालाकुंड के झरने और पहाड़ों की सैर कर सकेंगे।

डेमू ट्रेन का पाताल पानी तक होगा विस्तार

इस बार मंडल ने महू से पातालपानी तक ब्राडगेज लाइन डाल दी है। आगामी माह तक इस लाइन का रेल संरक्षा आयुक्त दल द्वारा निरीक्षण किया जाना प्रस्तावित है। इसके बाद इंदौर-महू डेमू ट्रेन को पातालपानी तक विस्तारित कर दिया जाएगा। इससे पहले पाताल पानी में ब्राडगेज के लिहाज से प्लेटफार्म बनना होगा।

यह है किराया

ट्रेन के अउ कोच में सफर करने पर एक तरफ का किराया 265 रुपए यानी दोनों तरफ के लिए 530 रुपए है। नान एसी चेयर कार का साधारण किराया 20-20 रुपए प्रति व्यक्ति है। टिकट की बुकिंग आईआरसीटीसी की वेबसाइट से ऑनलाइन या रिजर्वेशन सेंटर से की जा सकती है।

ट्रेन में दो एसी चेयर कार सी-1 व सी-2 एवं तीन नान एसी चेयर कार डी-1, डी-2 और डी-3 हैं।

यह समय रहेगा निर्धारित

ट्रेन संख्या 52965 पातालपानी कालाकुंड हैरिटेज ट्रेन 11.05 बजे पातालपानी से चल कर 13.25 बजे कालाकुंड पहुंचेगी तथा ट्रेन संख्या 52966 कालाकुंड पातालपानी हेरिटेज ट्रेन कालाकुंड से 15.34 बजे चल कर 16.30 बजे पातालपानी पहुंचेगी।

दो घंटे काला कुंड घूम सकेंगे

हेरिटेज ट्रेन पातालपानी से कालाकुंड 2 घंटे में पहुंचती है। वहीं, वापसी में काला कुंड से पातालपानी तक आने में ट्रेन को एक घंटा लगता है। ट्रेन काला कुंड पहुंचने के बाद वहां लोगों को घूमने के दौरान करीब दो घंटा खड़ी रहेगी। इस दौरान यात्री कालाकुंड के झरने और पहाड़ों की सैर कर सकेंगे। रेलवे ने पर्यटकों की सुविधा के लिए कालाकुंड में ट्रेन का लंबा स्टापेज दिया है।

सुसाइड नोट में लिखा हम अपनी मर्जी से जान दे रहे

निसंतान दंपती ने जहर खाकर दी जान, आए दिन होता था विवाद

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर में एक निसंतान दंपती ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। दोनों को कोई संतान नहीं थी और आए दिन उनके बीच विवाद होते थे। बुधवार रात दोनों ने जहर खा लिया। सुबह देर तक उनके मकान का दरवाजा नहीं खुला तो आस-पड़ोसियों ने भीतर झांक कर देखा। दोनों कमरे में अचेत पड़े थे। भीतर जाकर देखा तो उनकी मौत हो चुकी थी।

इसके बाद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। दंपती के रिश्तेदार इंदौर की सिलिकॉन सिटी में रहते हैं। उन्हें भी इस घटना की जानकारी दी गई। इसके बाद के शवों को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस के अनुसार शनि गली में संजय वर्मा अपनी पत्नी रेखा के साथ वर्षों से रहते थे। संजय सुनार थे और घर के बाहर ही उनकी छोटी सी दुकान थी। आस पड़ोसियों ने बताया कि उनकी कोई संतान नहीं थी। दोनों के बीच अक्सर विवाद होते थे। बुधवार रात उन्होंने एक साथ जहर

खा लिया। रेखा का शव बिस्तर पर था और संजय का शव फर्श पर था।

रिश्तेदारों से आत्महत्या को लेकर मांगी माफी

आत्महत्या करने से पहले संजय ने सुसाइड नोट भी लिखा और अपने रिश्तेदारों से आत्महत्या के लिए माफी मांगी। उन्होंने सुसाइड नोट से लिखा कि जीवन में सभी का स्नेह हमें मिला, लेकिन अब सहन नहीं होता। हम दोनों अपनी मर्जी से जान दे रहे हैं। पुलिस ने दोनों के मोबाइल फोन की जांच भी की।

तीन प्लॉट जोड़कर बना लिया था चार मंजिला अवैध होस्टल, जेसीबी से किया जमींदोज

सिटी चीफ इंदौर।

ग्रीन बेल्ट की जमीन पर तना चार मंजिला अवैध होस्टल नगर निगम की टीम ने जमींदोज कर दिया। सर्वानंद नगर में हुई यह कार्रवाई चार घंटे से ज्यादा समय चली। इस दौरान मामूली विवाद भी हुआ।

सुबह करीब 6.30 बजे पहुंची टीम

नगर निगम उपायुक्त लता अग्रवाल ने बताया कि नगर निगम की टीम शुक्रवार सुबह करीब 6.30 बजे सर्वानंद नगर पहुंची। यहां भरत सोनी नामक व्यक्ति ने 20 बाय 50 के तीन प्लाटों को मिलाकर जी प्लस थ्री (चार मंजिला) इमारत बना ली थी। टीम ने कार्रवाई करते हुए इसे जमींदोज कर दिया है। कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने विरोध भी किया, लेकिन कार्रवाई जारी रही।

जिन तीन प्लाटों को मिलाकर यह इमारत तानी गई थी उनका कुल क्षेत्रफल तीन हजार वर्गफीट है। इतने बड़े भूखंड पर चार मंजिला इमारत तन गई और नगर निगम के अधिकारियों को खबर तक नहीं हुई। भूखंड स्वामी ने न तो नगर निगम से निर्माण की अनुमति ली थी और न ही नक्शा पास करवाया था।

एसडीएम जगदीश धनगर ने बताया कि जिस जमीन पर यह अवैध निर्माण किया गया था वह ग्रीन बेल्ट में शामिल है। सहायक रिमूवल अधिकारी बबलू कल्याणे ने बताया कार्रवाई में 20 से ज्यादा निगमकर्मी शामिल थे। दो जेसीबी की मदद से करीब चार घंटे चली कार्रवाई में इमारत को पूरी तरह से जमींदोज कर दिया गया।

होस्टल शुरू करने की तैयारी थी

जांच में यह बात भी सामने आई है कि जिस अवैध निर्माण को नगर निगम ने जमींदोज किया है वहां भू-स्वामी ने होस्टल शुरू करने की तैयारी कर ली थी। निगम ने आचार संहिता लागू होने से पहले इस संबंध में नोटिस भी दिया था। होस्टल शुरू होने से पहले ही निगम ने कार्रवाई करते हुए इसे जमींदोज कर दिया।

इंदौर एयरपोर्ट पर टर्मिनल में निकला चूहा

सिटी चीफ इंदौर।

इंदौर। देवी अहिल्याबाई होलकर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कुत्तों के बाद अब चूहे घूम रहे हैं। एयरपोर्ट से यात्रा करने वाले यात्री इनके फोटो और वीडियो बनाकर एक्स प्लेटफॉर्म पर शेयर कर रहे है। इंदौर एयरपोर्ट टर्मिनल में यहां-वहां घूम रहे एक चूहे का वीडियो बनाकर यात्री आयुष सहानी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए एयरपोर्ट की व्यवस्था को लेकर सवाल उठाए है। इससे पहले भी इंदौर एयरपोर्ट पर कुत्ते घूमते रहते थे जिनके वीडियो और फोटो यात्रियों सोश्ल मीडिया पर शेयर किए थे। इंदौर एयरपोर्ट पर चूहे ही नहीं कुत्ते भी घूमते रहते है। इसी महीने एयरपोर्ट पर एक यात्री को कुत्ते ने काटा था। इंदौर एयरपोर्ट पर चूहे ही नहीं कुत्ते भी घूमते रहते हैं। इसी महीने एयरपोर्ट पर एक यात्री को कुत्ते ने काटा था।

यात्री आयुष साहनी ने एक्स पर चूहे का वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा है कि रात 12 से 3 बजे तक चेक इन और सिक्योरिटी जांच बंद रहती है। यहां पर रात में खाने पीने के नाम पर केवल चाय कॉफी मिलती है, जहां पर चूहे साफ दिखाई देते हैं। इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर खतरनाक मैंनेजमेंट। वहीं इस पूरे मामले को लेकर एयरपोर्ट प्रबंधन का कहना है कि वीडियो की जांच कर रहे है। हालांकि यात्री द्वारा डाला गया वीडियो पुराना लग रहा है। बता दें इसी माह एयरपोर्ट पर आए एक यात्री को कुत्ते ने काट लिया था।

नेता प्रतिपक्ष चौकसे बोले- निगम का पोर्टल हैक; कमिश्नर को सौंपा ज्ञापन

बकाया टैक्स के मैसेज को लेकर कांग्रेस ने किया प्रदर्शन

इंदौर।

नगर निगम द्वारा कुछ दिनों बकाया टैक्स को लेकर भेजे गए नोटिस और एसएमएस के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन कर निगम कमिश्नर को ज्ञापन सौंपा।

नगर निगम नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने कहा कि निगम के भ्रष्टाचार का खामियाजा इंदौर की जनता को भुगतना पड़ रहा है। पिछले कई दिनों से शहर के नागरिकों का टैक्स जमा होने के बाद भी नोटिस और एसएमएस भेज कर परेशान किया जा रहा है। लगातार मैसेज के माध्यम से शहर के नागरिकों को बकाया टैक्स जमा करने के लिए कहा जा रहा है। यह नोटिस और एस.एम.एस ऐसे नागरिकों को भी भेजे जा रहे हैं जिनके द्वारा अपना पूरा टैक्स बराबर जमा कर दिया गया है।

नेता प्रतिपक्ष चिंटू चौकसे ने कहा कि नगर निगम का ई नगर पालिका पोर्टल हैक हो जाने के कारण पिछले 6 महीने से काम नहीं कर रहा है। नगर निगम के पास कोई रिकॉर्ड नहीं है कि किसी व्यक्ति का कितना टैक्स बकाया है और किसी व्यक्ति ने

कितना टैक्स जमा किया है। ऐसे में नगर निगम की ओर से नागरिकों पर अत्याचार करने, उनमें डर फैलाने का काम किया जा रहा है। मेरी मांग है कि तत्काल प्रभाव से नगर निगम की ओर से एस.एम.एस और संपत्तिकर के नोटिस भेजना बंद किया जाए। नगर निगम अपने पोर्टल पर सारे डेटा की एंट्री कर लें उसके बाद में नागरिकों से टैक्स लेने के बारे में बात की जाए।

सात दिवसीय ब्रह्मोत्सव एवं रथयात्रा महोत्सव कार्यालय का शुभारंभ

श्रीलक्ष्मी वेंकटेश देवस्थान में 1 जुलाई से शुरू होगा महोत्सव

सिटी चीफ इंदौर।

श्रीलक्ष्मी वेंकटेश देवस्थान में सात दिवसीय ब्रह्मोत्सव एवं रथयात्रा महोत्सव 1 जुलाई से मनाया जाएगा। उत्सव की पूरी व्यवस्थाओं को लेकर श्रीमद् जगद्गुरु रामानुजाचार्य नागोरिया पीठाधीश्वर स्वामी विष्णुप्रपन्नाचार्य महाराज द्वारा ब्रह्मोत्सव एवं रथयात्रा महोत्सव के कार्यालय का शुभारंभ दीप प्रज्जवलित कर किया गया। उत्सव के तहत निकलने वाली इस गौरवशाली रथयात्रा को लेकर भक्तों में उत्साह है।

रथयात्रा की पूरी जानकारी के लिए एलईडी द्वारा निर्मित प्रचार रथ भी बनाया गया है, जो कि पूरे शहर में भ्रमण कर भक्तों को जानकारी देगा साथ ही एक क्यूआर कोड बनाया गया है, जिसको स्कैन करते ही संपूर्ण जानकारी प्रेषित हो जाएगी। 75 वर्षों से सतत निकल रही परंपरागत रथयात्रा जो कि प्रशासन के सहयोग से कर्फ्यू और कोरोना काल में भी निकली। ऐसी रथयात्रा देवस्थान से 7 जुलाई को निकलेगी। रथयात्रा में प्रभु वेंकटेश रजत रथ पर विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे।

इन मार्गों से गुजरेगी रथयात्रा

यात्रा श्रीमद् जगद्गुरु रामानुजाचार्य नागोरिया पीठाधीश्वर स्वामी विष्णुप्रपन्नाचार्य महाराज के मंगलाशासन में देवस्थान से निकलकर सेवालय हॉस्पिटल, नृसिंह बाजार चौराहा, सीतलामाता बाजार, गौराकुंड चौराहा, शक्कर बाजार, सराफा बाजार, पीपली बाजार, बर्तन बाजार, बजाज खाना चौक होते हुए साठा बाजार से नृसिंह बाजार होते हुए वापस देवस्थान पहुंचेगी।

सभी मिलकर करेंगे प्रयास

मंदिर के प्रचार प्रमुख पंकज तोतला ने बताया कि रथयात्रा को लेकर सीएम से भी मिलकर उन्हें महोत्सव का निमंत्रण दिया है। उन्होंने ने भी आने की संभावना जताई है। साथ ही शहर के सभी वरिष्ठजन, समाजजन, प्रशासनिक अधिकारी, व्यापारी आदि ने कहा है कि सभी मिलकर प्रयास करेंगे कि इस वर्ष रथयात्रा का स्वरूप, भव्य और सुंदर हो। यात्रा में आने वाले श्रद्धालुओं की किसी भी तरह की दिक्कत व समस्या नहीं हो। रथयात्रा मार्ग पर पूर तरह लाइटिंग और ध्वज पताका के माध्यम से सजाया जाएगा।

ब्रह्मोत्सव समिति में किया मनोनीत

उन्होंने बताया कि पूरे उत्सव को सानंद संपन्न करने के लिए स्वामी महाराज द्वारा ट्रस्ट से रविंद्र धुत के साथ ही ब्रह्मोत्सव समिति में स्वागाध्यक्ष सत्यनारायण शर्मा, उपाध्यक्ष विष्णु बिंदल, महामंत्री महेंद्र नीमा, संयोजक पुखराज सोनी, दिनेश गुप्ता, सुमित मंत्री, रंगेश बियाणी, सहसंयोजक विजय हेड़ा, शरद पसारी, अंशुल मूंदड़ा के साथ ही बालकिशन सिंगी, राजेंद्र सोनी, कैलाश मूंगड़, अशोक डागा, केदारमल जाखेटिया, पवन व्यास, भरत तोतला, सुरेशचंद राठी को मनोनित किया।

योग दिवस पर सूर्य का कर्क रेखा से योग, मप्र के 14 जिलों में कर्क रेखा पर आज शून्य छाया दिवस

इस साल का सबसे लंबा दिन और सबसे छोटी रात आज

भोपाल। पृथ्वी के 16 देशों , भारत के 8 राज्यों सहित मध्यप्रदेश के 14 जिलों से होकर उत्तरी गोलार्द्ध में खींची गई काल्पनिक कर्क रेखा पर 21 जून को साल की खास खगोलीय घटना दिखने जा रही है । इस दिन सूर्य कर रेखा से कर्क रेखा पर पहुंचा दिखकर अपनी उत्तरायण यात्रा पूरी करने जा रहा है । इसके बाद यह अपनी वापसी दक्षिणायन यात्रा आरंभ करेगा । नेशनल अवार्ड प्राप्त विज्ञान प्रसारक सारिका घारू ने बताया कि आज की इस खगोलीय घटना के कारण उत्तरी गोलार्द्ध के नगरों में दिन सबसे लंबा और रात सबसे छोटी अवधि की होगी । इस घटना को समर सोलेस्टिस कहते हैं । सारिका ने बताया कि शुक्रवार को कर्क रेखा पर स्थित नगरों में सूर्य के लंबवत होने के कारण किसी भी वस्तु की छाया दोपहर में उसके आधार के नीचे बनेगी जिससे लगेगा कि छाया गायब हो गई । कर्क रेखा के नगरों के लिये आज शून्य छाया दिवस होगा । खगोलीय उत्तरायण के अंतिम पड़ाव पर पहुंचने की इस घटना को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के रूप में भी मनाया जाता है ।

रात की शुरुआत भी खास

सारिका ने बताया कि आज की रात की शुरूआत भी बेहद खास होगी । पश्चिम में सूर्य के ढ़लते ही पूर्वी आकाश में पूनम का चंद्रमा उदित होगा । इसे स्ट्राबेरी मून नाम दिया गया है जो कि पश्चिमी देशों में इस समय पकने वाली जंगली स्ट्राबेरी के कारण रखा गया है । लगभग हर 20 साल में स्ट्राबेरी मून और समर सोलिस्टस की घटना एक साथ होती है । तो तैयार हो जाईये सबसे लंबे अवधि के दिन और स्ट्राबेरी मून वाली रात में कुछ अच्छा करने के लिये ।

कर्क रेखा पर स्थित भारत के राज्य

गुजरात, राजस्थान, मध्यप्रदेश ,छत्तीसगढ़, झारखंड,पश्चिमी बंगाल, त्रिपुरा और मिजोरम

कर्क रेखा पर स्थित मध्यप्रदेश के जिले

रतलाम, उज्जैन, आगरमालवा , सीहोर, भोपाल, राजगढ़, विदिशा, रायसेन, सागर, दमोह, कटनी, जबलपुर, उमरिया और शहडोल

आज (21 जून) को दिन की अवधि

भोपाल में आज दिन की अवधि 13 घंटे 34 मिनिट और 01 सेकंड होगी ।

नर्मदापुरम में आज दिन की अवधि 13 घंटे 31 मिनिट और 53 सेकंड होगी ।
रायसेन में आज दिन की अवधि 13 घंटे 34 मिनिट और 19 सेकंड होगी ।
उज्जैन में आज दिन की अवधि 13 घंटे 34 मिनिट और 42 सेकंड होगी ।
बैतूल में आज दिन की अवधि 13 घंटे 28 मिनिट और 22 सेकंड होगी ।
जयपुर में आज दिन की अवधि 13 घंटे 50 मिनिट और 07 सेकंड होगी ।
पटना में आज दिन की अवधि 13 घंटे 44 मिनिट और 14 सेकंड होगी ।
जोधपुर में आज दिन की अवधि 13 घंटे 47 मिनिट और 20 सेकंड होगी ।
छिंदवाड़ा में आज दिन की अवधि 13 घंटे 28 मिनिट और 57 सेकंड होगी ।
हरदा में आज दिन की अवधि 13 घंटे 30 मिनिट और 08 सेकंड होगी ।
बांसवाड़ा में आज दिन की अवधि 13 घंटे 35 मिनिट और 16 सेकंड होगी ।
जबलपुर में आज दिन की अवधि 13 घंटे 33 मिनिट और 40 सेकंड होगी ।
इंदौर में आज दिन की अवधि 13 घंटे 31 मिनिट और 44 सेकंड होगी ।
विदिशा में आज दिन की अवधि 13 घंटे 35 मिनिट और 08 सेकंड होगी ।
सीहोर में आज दिन की अवधि 13 घंटे 33 मिनिट और 47 सेकंड होगी ।
नई दिल्ली में आज दिन की अवधि 13 घंटे 58 मिनिट और 01 सेकंड होगी ।

परियोजना अथॉरिटी ने मप्र-उप्र और केंद्र सरकार के अधिकारियों के साथ मिलकर पूरी की प्रक्रिया, केंद्र की नई सरकार करेगी शिलान्यास

जुलाई में शुरू होगा केन-बेतवा लिंक परियोजना का काम

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की बहुप्रतीक्षित केन-बेतवा लिंक परियोजना का शिलान्यास अब केंद्र की नई सरकार द्वारा किया जाएगा। इसको लेकर तैयारी शुरू हो गई है। जुलाई में परियोजना का शिलान्यास करने की कार्ययोजना बनाई जा रही है। इसके अंतर्गत बनने वाले दोधन बांध के लिए तकनीकी निविदा पूरी हो गई है। दोधन बांध की ऊंचाई 15 मीटर से अधिक होगी। आचार संहिता खत्म होने के बाद कंपनी का चयन होगा।

निविदा में अडानी, दिलीप बिल्डकान, हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी (एचसीसी), एस्कान इंफ्रास्ट्रक्चर (इंडिया) लिमिटेड, एसटीएन सहित 22 कंपनियों ने रुचि दिखाई है। कुल 44 हजार 605 करोड़ रुपये की इस परियोजना को पूरा करने में छह वर्ष लगेंगे। इससे उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में साढ़े आठ लाख

हेक्टेयर भूमि पर सिंचाई क्षमता का विकास होगा तो लाखों लोगों को पेयजल की सुविधा मिलेगी। केन-बेतवा लिंक परियोजना अथारिटी के भोपाल स्थित कार्यालय ने मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और केंद्र सरकार के अधिकारियों के साथ मिलकर परियोजना की प्रक्रिया पूरी कर ली है। बता दें, केन-बेतवा लिंक परियोजना को लेकर मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के बीच वर्ष 2005 में अनुबंध हुआ था। तमाम औपचारिकताएं पूरी करने के बाद दोनों राज्यों के बीच वर्ष 2021 में समझौता हुआ। इस परियोजना में केंद्र सरकार 90 प्रतिशत राशि देगी। दोनों राज्य सरकारों को कुल लागत की पांच-पांच प्रतिशत राशि देनी होगी।

ये जिले होंगे लाभान्वित

मध्य प्रदेश = छतरपुर, टीकमगढ़, पन्ना, दमोह, विदिशा, सागर, शिवपुरी, दतिया और रायसेन।

उत्तर प्रदेश = महोबा, बांदा, झांसी और ललितपुर।

मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश की बहुप्रतीक्षित केन-बेतवा लिंक परियोजना के लिए केंद्र सरकार ने 45 हजार करोड़ रुपए जारी कर दिए हैं। केंद्र सरकार से लागत की 90 प्रतिशत राशि मिलने के बाद अब दोनों राज्य सरकारों को बकाया पांच-पांच प्रतिशत राशि देनी होगी। इस परियोजना से दोनों ही राज्य के बुंदेलखंड क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा मिलेगी। इससे किसानों की आय बढ़ेगी। परियोजना के अंतर्गत बनने वाले दोधन बांध के लिए तकनीकी निविदा पूरी हो गई है। दोधन बांध की ऊंचाई 15 मीटर से अधिक होगी। दोधन बांध को पूरा करने में छह वर्ष लगेंगे। इससे उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश में साढ़े आठ लाख हेक्टेयर भूमि पर सिंचाई क्षमता का विकास होगा तो लाखों लोगों को पेयजल की सुविधा मिलेगी।

अमरवाड़ा में राजा बनाम संत परिवार के बीच सियासी जंग

भाजपा-कांग्रेस के बीच कड़ी टक्कर को गोंगपा ने बनाया रोचक

सिटी चीफ भोपाल।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के छिंदवाड़ा लोकसभा सीट हारने के बाद अमरवाड़ा विधानसभा सीट पर उपचुनाव रोचक होने जा रहा है। यहां पर भाजपा के राजा कमलेश शाह और कांग्रेस के संत इनावती परिवार के आमने-सामने आने और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी (गोंगपा) के प्रत्याशी देव रावेन भलावी ने मुकाबले को त्रिकोणीय बना दिया है।

अमरवाड़ा सीट पर 10 जुलाई को मतदान होगा। यह सीट लोकसभा चुनाव के बीच कांग्रेस विधायक कमलेश शाह के भाजपा की सदस्यता लेने और विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने के बाद रिक्त हुई थी। अब भाजपा ने कमलेश शाह को ही अपना प्रत्याशी बनाया है। कमलेश शाह हर्रई राजघराने से ताल्लुक रखते हैं। शाह के दादा राजा उदयभान शाह और मां रानी शैल कुमारी भी इस सीट से कांग्रेस की विधायक रह चुकी हैं। इस क्षेत्र के गोंड आदिवासी आज भी शाह परिवार के वंशज को अपना राजा मानते हैं।

आंचलकुंड धाम के वंशज हैं कांग्रेस प्रत्याशी धीरन शाह

वहीं, कांग्रेस ने धीरनशाह इनावती को अपना प्रत्याशी बनाया है। 35 वर्षीय धीरनशाह गोंड आदिवासी समाज की आस्था के केंद्र आंचल कुंड धाम की तीसरी पीढ़ी के संत सुखरामदास के बेटे हैं। गोंडवाना गणतंत्र पार्टी ने युवा चेहरे देवीराम उर्फ देव रावेन भलावी को प्रत्याशी बनाया है। अमरवाड़ा में गोंडवाना गणतंत्र पार्टी का अच्छा प्रभाव है। अनुसूचित जनजाति के

लिए आरक्षित अमरवाड़ा सीट के आदिवासी मतदाताओं का हर्रई राजघराना, गोंडवाना गणतंत्र पार्टी और आंचल कुंड धाम तीनों से गहरा जुड़ाव है। यही वजह है कि इस सीट पर मुकाबला रोचक हो गया है।

आंचलकुंड धाम से नाथ ने की राजनीति की शुरूआत

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने छिंदवाड़ा में 1980 में पहला चुनाव लड़ा था। उन्होंने आंचल कुंडधाम बटकाखापा से पदयात्रा निकालकर अपने राजनीतिक सफर की शुरूआत की थी। उस समय आंचल कुंडधाम तक सड़क भी नहीं थी।

नाथ पांच किमी पैदल यात्रा कर धाम तक पहुंचे थे। वहीं, लोकसभा चुनाव के दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आंचल कुंडधाम के संत सुखराम दास महराज की मौजूदगी में 25 प्रमुख लोगों से मुलाकात की थी। अब सुखराम दाम महराज के बेटे ही कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में भाजपा के कमलेश शाह के सामने हैं।

अमरवाड़ा सीट पर कांग्रेस का रहा है दबदबा

छिंदवाड़ा की अमरवाड़ा सीट पर अब तक कांग्रेस का ही कब्जा रहा है। 1951 से लेकर अब तक भाजपा यहां सिर्फ दो बार चुनाव जीती है।

1990 में भाजपा के मेहमान शाह उईके इस सीट से चुनाव जीतकर विधायक बने थे, जबकि 2008 में प्रेम नारायण ठाकुर चुनाव जीते थे।

इससे पहले एक बार 1967 में भारतीय जनसंघ के एसजे ठाकुर ने चुनाव जीता था।

1951 से 2023 तक यहा 14 बार चुनाव हो चुका है, जिसमें 11 बार कांग्रेस ने जीत दर्ज की है।

कमलनाथ की प्रतिष्ठा दांव पर

लोकसभा चुनाव में छिंदवाड़ा सीट पर हार के बाद पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ की अमरवाड़ा सीट पर उपचुनाव से फिर प्रतिष्ठा दांव पर लग गई है। छिंदवाड़ा को कमलनाथ का गढ़ माना जाता है। यही वजह है कि अब वे फिर अमरवाड़ा उपचुनाव में एक्टिव हो गए हैं। वहीं, दूसरी तरफ भाजपा के दिग्गज भी उपचुनाव जीतने पूरा जोर लगा रहे हैं।

खरीफ की 14 फसलों पर एमएसपी को मंजूरी पर सियासत शुरू

कमलनाथ बोले- किसानों के साथ छल कर रही भाजपा

सिटी चीफ भोपाल।

केंद्रीय कैबिनेट ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए खरीफ की 14 फसलों पर एमएसपी को मंजूरी दी गई है। इसे लेकर मध्य प्रदेश में सियासत शुरू हो गई है। जहां मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार जताया है, वहीं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए सरकार पर वादाखिलाफी का आरोप लगाया है।

साथ ही केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान से पूछा कि इस इस धोखेबाजी के पीछे का क्या कारण है कमलनाथ ने अपने एक्स पोस्ट पर लिखा, भाजपा सरकार का किसानों से छल जारी है। केंद्र सरकार ने धान के लिए जो नया

एमएसपी जारी किया है वह 2300 रुपया प्रति क्विंटल है। जबकि मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में भाजपा ने किसानों को 3100 रुपया प्रति क्विंटल एमएसपी देने का वादा किया था। कमलनाथ ने कहा है कि यह नया एमएसपी किसानों को भाजपा के वादे से 800 रुपए प्रति क्विंटल कम एमएसपी दे रहा है। यह हाल तब है जब मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान देश के कृषि मंत्री और मोहन यादव मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने आगे लिखा कि मध्य प्रदेश के किसान भाइयों को अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि भारतीय जनता पार्टी झूठे वादों की राजनीति करती है। किसानों ने 3100 रुपये प्रति क्विंटल धान के वादे पर वोट डाला और आज उन्हें 800 रुपया प्रति क्विंटल कम दिया जा रहा है। मैं मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री से मांग करता हूं कि वे जनता के सामने आकर स्पष्ट करें कि आखिर इस धोखेबाजी के पीछे क्या कारण है कांग्रेस पार्टी किसानों के साथ इस धोखेबाजी को बर्दाश्त नहीं करेगी, अगर जल्द से जल्द किसानों को वादे के मुताबिक एमएसपी नहीं दिया गया तो कांग्रेस पार्टी हर स्तर पर इसके लिए संघर्ष करेगी।

29 को गुरु की स्मृति में शिष्या देंगी स्वरांजलि

सिटी चीफ भोपाल।

कला समूह भोपाल ग्वालियर घराने की विख्यात गायिका विदूषी वीणा सहस्त्रबुद्धे की स्मृति में 29 जून को शास्त्रीय संगीत समारोह आयोजित किया जाएगा। स्थानीय कुक्कुट भवन सभागार में आयोजित इस समारोह में अपने गुरु को स्वरांजलि देंगी उनकी ही शिष्या ग्वालियर घराने की सुप्रसिद्ध गायिका भोपाल की सुलेखा भट। अतिथि कलाकार के रूप में अपनी प्रस्तुति देने के लिए हुबली कर्नाटक से पद्मविभूषण डॉ. गंगूबाई हंगल के शिष्य पंडित अशोक नाडगिर मौजूद रहेंगे। इसी अवसर पर सुलेखा भट की सुयोग्य शिष्या निहारिका जया अरुण भी गुरुस्मृति में स्वरों से श्रद्धांजलि देंगी। कला समूह के अध्यक्ष राजेश भट ने बताया कि संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित विदुषी वीणा सहस्त्रबुद्धे ने देश विदेश में भारतीय शास्त्रीय संगीत का प्रचार-प्रसार किया। उनके गायन में उच्च दर्जे का संतुलन, दमदारी और लयकारी

थी, जो सहज ही श्रोताओं को सम्मोहित कर लेती थी। देश-विदेश में उनके अनेक शिष्य शिष्याएं हैं। मध्यप्रदेश की उनकी शिष्या सुलेखा भट वर्तमान में उनकी संगीत धरोहर को सहेजते हुए आगे ले जाने का महत्वपूर्ण कार्य कर रही हैं। अपने प्रशंसकों के बीच वीणा ताई के नाम से प्रसिद्ध वीणा सहस्त्रबुद्धे की स्मृति में कला समूह भोपाल गत आठ वर्षों से निरन्तर संगीत समारोह आयोजित कर रहा है।

पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल को लगातार मिल रही थी शिकायत

कुशीनगर एक्सप्रेस में छापेमारी, 55 कार्टन लोकल पानी की बोतलें जब्त

सिटी चीफ भोपाल।

पश्चिम मध्य रेल के भोपाल मंडल से चलने वाली गाड़ियों में लोकल ब्रांड के पानी बेचने की शिकायत लगातार हो रही थी। इसके बाद गाड़ी संख्या 22538 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर कुशीनगर एक्सप्रेस की पैंट्री कार में भोपाल स्टेशन पर छापेमारी के दौरान 55 कार्टन अनाधिकृत ब्रांड की पानी की बोतलें जब्त की गईं। मंडल को मिली गुप्त सूचना में बताया गया कि गाड़ी संख्या 22538 लोकमान्य तिलक टर्मिनस-गोरखपुर कुशीनगर एक्सप्रेस की पैंट्री कार में 20 कार्टन अनाधिकृत ब्रांड की पानी की बोतलें मौजूद हैं। सूचना मिलते ही वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया के निदेर्शानुसार एक छापेमारी टीम का गठन किया गया और ट्रेन के भोपाल स्टेशन पर पहुंचते ही छापेमारी टीम ने त्वरित और सटीक कार्रवाई करते हुए पैंट्री कार की तलाशी ली। तलाशी के दौरान 20 कार्टन अनाधिकृत पानी की बोतलों के साथ साथ 35 कार्टन

अतिरिक्त अनाधिकृत पानी की बोतलें भी बरामद की गईं। इस प्रकार इस छापेमारी में कुल 55 कार्टन अनाधिकृत ब्रांड की पानी की बोतलें जब्त की गईं। आगे भी जारी रहेगी ऐसी कार्रवाई वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सौरभ कटारिया के निर्देशन में गठित की गई निरीक्षकों की टीम द्वारा की गई इस कार्रवाई ने रेल प्रशासन की सतर्कता और कड़ी निगरानी को साबित किया है। इस कार्यवाही के दौरान जांच दल में मंडल वाणिज्य निरीक्षक भोपाल अंक भूषण दुबे, स्टेशन प्रबंधक वाणिज्य एके खरे, खानपान निरीक्षक मेघा नागदेव एवं आईआरसीटीसी निरीक्षक मीशा मौजूद रहीं। रेल प्रशासन यात्रियों को स्वास्थकर पानी एवं बेहतर खानपान की सुविधा उपलब्ध कराने हेतु सदैव तत्पर है एवं किसी भी प्रकार की अनियमितताओं पर सख्त कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। रेलवे अधिकारियों और कर्मचारियों की यह प्रतिबद्धता यात्रियों के विश्वास को बनाए रखने में मददगार साबित होगी और भविष्य में भी इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई की जाती रहेगी। ताकि यात्रियों को हमेशा सुरक्षित और स्वच्छ यात्रा का अनुभव मिल सके।

सम्पादकीय

तस्करों के मददगार पुलिसकर्मियों पर शिकंजा

राज्य में सरकार, प्रशासन और नागरिक स्तर पर नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। उन लोगों की पहचान गोपनीय रखनी चाहिए, जो नशा तस्करों के खिलाफ सूचना पुलिस को देते हैं। यदि विभाग के लोग नशा तस्करों से सांठगांठ के चलते गोपनीय सूचनाएं लीक करेंगे, तो सूचना देने वालों का जीवन भी संकट में पड़ सकता है।

यह दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि जिन रक्षकों के भरोसे सरकार नशा तस्करों से दो-दो हाथ करती रही है, उनमें से कुछ लोग नशे के धंधे को सींचने पर लगे रहे हैं। यह सरकार ही नहीं पुलिस विभाग के लिये भी दुखद स्थिति है कि बाड़ ही खेत को खाने लगी है। सही मायनों में यह दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है कि चंद रुपयों के लालच में कुछ खाकी वदीर्धारियों के हाथों में नशे के काले कारोबार की कालिख लगी हुई है। यह संकट कितना बड़ा है इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हजारों पुलिसकर्मियों के ट्रांसफर करने पड़े हैं। मुख्यमंत्री भगवंत मान को कहना पड़ा है कि विभिन्न संवेदनशील स्थानों पर वर्षों से जमे हुए करीब दस हजार पुलिस मुलाजिमों के तबादले किये गए हैं। जाहिर, इतने बड़े पैमाने पर तबादले करने का कोई ठोस तार्किक आधार ही होगा। कई डिवीजनों में लंबे समय से जमे मुलाजिम नशा तस्करों के मददगार बने हुए थे। विगत में कई राजनेताओं पर भी नशे के कारोबार में हिस्सेदारी के आरोप लगे थे। जाहिर है, ऐसे प्रभावशाली नेताओं ने लाभदायक स्थानों पर अपनी सुविधा के पुलिस मुलाजिम तैनात किये होंगे। साफ-सी बात है कि बिना राजनेताओं व पुलिसिया मदद के नशे के बड़े तस्कर ज्यादा दिन टिक नहीं सकते। जैसा कि भगवंत मान कह भी रहे हैं कि पंजाब में नशीले पदार्थ पैदा नहीं होते। यह नशा अन्य राज्यों से तस्करों द्वारा पंजाब भेजा जाता है। विगत में भी ड्रोन के जरिये नशीले पदार्थों की खेप पाकिस्तान से लायी जा रही थी। सीमा सुरक्षा बलों की चौकसी से उसे बार-बार बरामद किया जा सका है। पंजाब के सीमावर्ती जिलों से भी ड्रोन सीमा पार नशे की खेप लेने के लिये भेजे जाते रहे हैं। ऐसे में पुलिस विभाग में कार्यरत काली भेड़ों के खिलाफ कार्रवाई व मुलाजिमों के तबादलों से निश्चित रूप से नशे के तस्करों पर नकेल कसी जा सकेगी। मान सरकार ने चेताया है कि नशे की तस्करी में शामिल पुलिसकर्मी बर्खास्त होंगे। साथ ही नशा तस्करों की संपत्ति भी तत्काल जब्त होगी। दुखद ही है कि पंजाब आज नशे के अंधाधुंध कारोबार से पतनशील स्थिति की ओर अग्रसर है। इसे रोकने के लिये सरकार की सख्ती और पुलिसकर्मियों की ईमानदारी अपरिहार्य शर्त है। आये दिन पंजाब के विभिन्न भागों से नशे की ओवरडोज से युवाओं के मरने की खबरें आती हैं। उनके रोते-बिलखते परिवारों के दर्द को मान सरकार ने महसूस किया है। इस बड़ी लड़ाई से मुकाबले के लिये आप सरकार ने राज्य पुलिस में दस हजार नई भर्ती करने की भी घोषणा की है। निश्चित रूप से इन नियुक्तियों से जहां पुलिस बल को नशे के तस्करों से लड़ने के लिये नई ताकत मिलेगी, वहीं दस हजार युवाओं के परिवारों में नौकरी लगने से खुशियां आएंगी। बेहतर रोजगार स्थिति में आने के कारण कई युवा नशे की राह चुनने से बच सकेंगे। निश्चित रूप से पंजाब पर कसता नशे का शिकंजा एक गंभीर चुनौती है। सरकार को व्यापक अध्ययन करके उन परिस्थितियों का पता लगाना चाहिए, जिनकी वजह से युवा नशे की दलदल में धंस रहे हैं। राज्य में सरकार, प्रशासन और नागरिक स्तर पर नशे के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाया जाना चाहिए। उन लोगों की पहचान गोपनीय रखनी चाहिए, जो नशा तस्करों के खिलाफ सूचना पुलिस को देते हैं। यदि विभाग के लोग नशा तस्करों से सांठगांठ के चलते गोपनीय सूचनाएं लीक करेंगे, तो सूचना देने वालों का जीवन भी संकट में पड़ सकता है। इसके अलावा पहले से नशे की लत के शिकार युवाओं को इस दलदल से निकालने तथा उनके पुनर्वास की दिशा में भी गंभीर कोशिश वक्त की जरूरत है। मान सरकार की नशा उन्मूलन की सार्थक पहल व तस्करों के खिलाफ सख्ती एक दिन रंग लाएगी। इसके अलावा सरकार को राज्य में रोजगार के नये अवसर सृजित करने को प्राथमिकता बनाना होगा। साथ ही पंजाब में खेलों को बढ़ावा देना होगा ताकि युवा नशे से दूर रहकर अपना व परिवार का भविष्य संवार सकें। इसके अलावा निकटवर्ती राज्यों की मदद से सीमा पर सख्ताई करके नशे की तस्करी पर अंकुश लगाने की भी कोशिश हो।

बेजुबान जानवरों की भी फिक्र हो वन्यजीव अभयारण्यों के भीतर जल स्रोतों का निर्माण और रखरखाव जरूरी

वैश्विक स्तर पर वर्ष 2023 तो सबसे गर्म वर्ष माना ही गया, मगर 2024 में स्थितियां और भी विकट लग रही हैं। भारतीय मौसम विभाग की पूर्व में दी गई चेतावनी सच साबित हो रही है और चरम हीटवेव या गर्म लहरों से भारत का अधिकांश हिस्सा झुलस रहा है। इस साल दिल्ली कुछ इलाकों में अधिकतम तापमान 50 डिग्री के पार पहुंच चुका है। राजस्थान में बीएसएफ के एक जवान द्वारा रेत में पापड़ तलने का वायरल वीडियो सारे देश ने देखा। सेंटर फॉर सांइस ऐंड एन्वॉयरनमेंट(सीएसई) के अनुमान के अनुसार, गर्मी से जून की शुरुआत तक देश में कम से कम 219 लोगों की मौत हो गई थी। विशेषज्ञों का कहना है कि जलवायु परिवर्तन के इस दौर में ये गर्म लहरें अब लंबी, तीव्र और लगातार होती जाएंगी। ये विकट परिस्थितियां वन्यजीवों तथा पादप प्रजातियों के लिए भी समान रूप से घातक हैं।?भारत एक उष्णकटिबंधीय जलवायु क्षेत्र है, जहां जलवायु परिवर्तन के कारण तापमान 50 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है। यह स्थिति निरंतर गहरा?रही है। असहनीय गर्मी से मनुष्यों के साथ ही जीव-जंतुओं की मौतें भी बढ़ रही हैं। हिमालय से लेकर महासागर तक विभिन्न भौगोलिक परिस्थितियों के अनुसार विभिन्न प्रकार की जीव और पादप प्रजातियां रहती हैं। इनमें कुछ जीव और पादप ऐसे हैं, जो अत्यंत ठंडे या बर्फीले इलाके में रहते हैं, तो कुछ ऐसे भी हैं, जो गर्म इलाकों में जीवित रह सकते हैं। लेकिन गर्मी और ठंड के संतुलन की जो प्राकृतिक व्यवस्था है, उसमें गड़बड़ी या असंतुलन हो जाने से जीवधारियों के साथ ही पादपों का जीवन भी संकट में पड़ जाता है। गर्मी बेजुबान वन्यजीवों के लिए गंभीर संकट पैदा करती है। कई जानवर, विशेष रूप से वे, जो अत्यधिक गर्मी के अनुकूल नहीं हैं, अधिक गर्मी से पीड़ित होते हैं। अत्यधिक गर्मी से निर्जलीकरण और हाइपरथर्मिया जैसी समस्याओं से उनकी मृत्यु तक हो जाती है। वन्यजीव अक्सर गर्मी से बचने के लिए रात में अधिक सक्रिय हो जाते हैं, जिससे उनके भोजन और सहवास का पैटर्न बाधित हो सकता है। जल स्रोत सूखने से उनके लिए पानी की कमी होती है, जिस कारण जानवरों को पानी की तलाश में लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। इससे शिकार और मानव-वन्यजीव संघर्ष का खतरा बढ़ जाता है। उच्च तापमान और वर्षा की कमी से वनस्पति भी सूख जाती है, जिससे शाकाहारी जानवरों और उन पर निर्भर मांसाहारी जानवरों के लिए भोजन की उपलब्धता कम हो जाती है। जंगलों से बाहर बस्तियों में भीषण गर्मी से तोते, गौरैया, नीले कबूतर, खलिहान उल्लू, काली चील, पतंगे, भारतीय भेड़िया, सांप, छिपकली, नेवले, शाही, चूहा, सियार, सिवेट, बंदर और गिलहरी जैसे कई जीव प्रभावित होते हैं। गर्म तापमान परजीवी और रोगजनकों में भी वृद्धि करता है। लंबे समय तक गर्मी के तनाव से जानवरों की प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो जाती है, जिससे वे संक्रमण के प्रति अधिक संवेदनशील हो जाते हैं। कुछ ऐसे जीव होते हैं, जिन पर गर्म लहरों का ज्यादा असर होता है। पक्षी विशेष रूप से शुष्क क्षेत्रों में गर्मी के गंभीर जोखिम का सामना करते हैं। उनमें निर्जलीकरण और गर्मी से थकावट आम है। उनके घोंसले ज्यादा गरम होने से चूजे मर सकते हैं। कई सरीसृप एक्टोथर्मिक होने के बावजूद, ज्यादा गरम हो सकते हैं और अगर उन्हें छाया नहीं मिलती, तो वे मर जाते हैं। हाथी और बाघ जैसे बड़े स्तनधारी भी आवास, भोजन और पानी की तलाश में मानव बस्तियों के करीब आ जाते हैं, जिससे मानव-जीव संघर्ष बढ़ जाता है। विभिन्न राष्ट्रीय उद्यानों और अभयारण्यों में भी वन्यजीवों को गंभीर कष्ट का सामना करना पड़ता है।

योग : इसकी उत्पत्ति, इतिहास और विकास

योग की उपस्थिति लोक परंपराओं, सिंधु घाटी सभ्यता, वैदिक और उपनिषदिक विरासत, बौद्ध और जैन परंपराओं, दर्शन, महाभारत और रामायण के महाकाव्यों, शैवों, वैष्णवों और तांत्रिक परंपराओं की आस्तिक परंपराओं में उपलब्ध है। इसके अलावा, एक आदिम या शुद्ध योग था जो दक्षिण एशिया की रहस्यमय परंपराओं में प्रकट हुआ है। यह वह समय था जब योग का अभ्यास गुरु के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन में किया जाता था और इसके आध्यात्मिक मूल्य को विशेष महत्व दिया जाता था।

योग अनिवार्य रूप से एक अत्यंत सूक्ष्म विज्ञान पर आधारित आध्यात्मिक अनुशासन है, जो मन और शरीर के बीच सामंजस्य लाने पर केंद्रित है। यह स्वस्थ जीवन जीने की एक कला और विज्ञान है। योग शब्द संस्कृत मूल युज से लिया गया है, जिसका अर्थ है जुड़ना या जोड़ना या एकजुट होना। योग शास्त्रों के अनुसार योग का अभ्यास व्यक्तिगत चेतना को सार्वभौमिक चेतना के साथ जोड़ता है, जो मन और शरीर, मनुष्य और प्रकृति के बीच एक पूर्ण सामंजस्य का संकेत देता है। आधुनिक वैज्ञानिकों के अनुसार, ब्रह्मांड में सब कुछ एक ही क्वांटम आकाश की अभिव्यक्ति है। जो व्यक्ति अस्तित्व की इस एकता का अनुभव करता है, उसे योग में कहा जाता है, और उसे योगी कहा जाता है, जिसने मुक्ति, निर्वाण या मोक्ष के रूप में संदर्भित स्वतंत्रता की स्थिति प्राप्त की है। इस प्रकार योग का उद्देश्य आत्म-साक्षात्कार है, सभी प्रकार के कष्टों को दूर करना जो मुक्ति की स्थिति (मोक्ष) या स्वतंत्रता (कैवल्य) की ओर ले जाता है। जीवन के सभी क्षेत्रों में स्वतंत्रता के साथ जीना, स्वास्थ्य और सद्भाव योग अभ्यास के मुख्य उद्देश्य होंगे। योग एक आंतरिक विज्ञान को भी संदर्भित करता है जिसमें कई तरह की विधियां शामिल हैं जिनके माध्यम से मनुष्य इस मिलन को महसूस कर सकता है और अपने भाग्य पर महारत हासिल कर सकता है। योग, जिसे व्यापक रूप से सिंधु सरस्वती घाटी सभ्यता के अमर सांस्कृतिक परिणाम के रूप में माना जाता है - जो 2700 ईसा पूर्व से चली आ रही है, ने मानवता के भौतिक और आध्यात्मिक उत्थान दोनों को पूरा करने में खुद को साबित किया है। बुनियादी मानवीय मूल्य ही योग साधना की पहचान हैं।

योग का संक्षिप्त इतिहास और विकास- माना जाता है कि योग का अभ्यास सभ्यता के आरंभ से ही शुरू हो गया था। योग विज्ञान की उत्पत्ति हजारों साल पहले हुई थी, पहले धर्मों या विश्वास प्रणालियों के जन्म से बहुत पहले। योग विद्या में, शिव को पहले योगी या आदियोगी और पहले गुरु या आदि गुरु के रूप में देखा जाता है।

कई हजार साल पहले, हिमालय में कांतिसरोवर झील के तट पर, आदियोगी ने अपने गहन ज्ञान को पौराणिक सप्तर्षियों या सात ऋषियों को दिया था। ऋषियों ने इस शक्तिशाली योग विज्ञान को एशिया, मध्य पूर्व, उत्तरी अफ्रीका और दक्षिण अमेरिका सहित दुनिया के विभिन्न हिस्सों में पहुंचाया। दिलचस्प बात यह है कि आधुनिक विद्वानों ने दुनिया भर में प्राचीन संस्कृतियों के बीच पाई जाने वाली करीबी समानताओं पर ध्यान दिया और आश्चर्यचकित हुए। हालांकि, यह भारत ही था जहां योग प्रणाली को अपनी पूर्ण अभिव्यक्ति मिली। अगस्त्य, सप्तऋषि जिन्होंने भारतीय उपमहाद्वीप में यात्रा की, उन्होंने इस संस्कृति को एक मूल योगिक जीवन शैली के इर्द-गिर्द गढ़ा।

सिंधु-सरस्वती घाटी सभ्यता की मुहरों और जीवाश्म अवशेषों की संख्या योगिक उद्देश्यों और योग साधना करते हुए आकृतियों के साथ प्राचीन भारत में योग की उपस्थिति का सुझाव देती है। लिंग के प्रतीक, देवी मां की मूर्तियों की मुहरें तंत्र योग के सूचक हैं। योग की उपस्थिति लोक परंपराओं, सिंधु घाटी सभ्यता, वैदिक और उपनिषदिक विरासत, बौद्ध और जैन परंपराओं, दर्शन, महाभारत और रामायण के महाकाव्यों, शैवों, वैष्णवों और तांत्रिक परंपराओं की आस्तिक परंपराओं में उपलब्ध है। इसके अलावा, एक आदिम या शुद्ध योग था जो दक्षिण एशिया की रहस्यमय परंपराओं में प्रकट हुआ है। यह वह समय था जब योग का अभ्यास गुरु के प्रत्यक्ष मार्गदर्शन में किया जाता था और इसके आध्यात्मिक मूल्य को विशेष महत्व दिया जाता था। यह उपासना का एक हिस्सा था और योग साधना उनके अनुष्ठानों में अंतर्निहित थी। वैदिक काल में सूर्य को सबसे अधिक महत्व दिया जाता था। सूर्य नमस्कार का अभ्यास इसी प्रभाव के कारण बाद में आविष्कार किया गया होगा। प्राणायाम दैनिक अनुष्ठान का एक हिस्सा था और आहुति देने के लिए किया जाता था। यद्यपि योग का अभ्यास पूर्व-वैदिक काल में भी किया जाता रहा, लेकिन महान ऋषि महर्षि पतंजलि ने अपने योग सूत्रों के माध्यम से योग की तत्कालीन प्रचलित प्रथाओं, उसके अर्थ और उससे संबंधित ज्ञान को व्यवस्थित और संहिताबद्ध किया। पतंजलि के बाद, कई ऋषियों और योग गुरुओं ने अपनी अच्छी तरह से प्रलेखित प्रथाओं और साहित्य के माध्यम से इस क्षेत्र के संरक्षण और विकास में बहुत योगदान दिया।

सूर्य नमस्कार योग के अस्तित्व के ऐतिहासिक साक्ष्य पूर्व-वैदिक काल (2700 ई.पू.) में देखे गए, और उसके बाद पतंजलि काल तक। मुख्य स्रोत, जिनसे हमें इस अवधि के दौरान योग प्रथाओं और संबंधित साहित्य के बारे में जानकारी मिलती है, वे वेद (4), उपनिषद (108), स्मृति, बौद्ध धर्म, जैन धर्म, पाणिनि की शिक्षाएं, महाकाव्य (2), पुराण (18) आदि में उपलब्ध हैं।

मोटे तौर पर, 500 ई.पू. - 800 ई. के बीच की अवधि को शास्त्रीय काल माना जाता है जिसे योग के इतिहास और विकास में सबसे उपजाऊ और प्रमुख अवधि भी माना जाता है। इस अवधि के दौरान, योग सूत्र और भगवद्गीता आदि पर व्यास की टिप्पणियां अस्तित्व में आईं। यह अवधि मुख्य रूप से भारत के दो महान धार्मिक शिक्षकों - महावीर और बुद्ध को समर्पित हो सकती है। पांच महान व्रतों की अवधारणा - महावीर द्वारा पंच महाव्रत - और बुद्ध द्वारा अष्ट मग्गा या आठ गुना मार्ग - को योग साधना की प्रारंभिक प्रकृति के रूप में अच्छी तरह से माना जा सकता है। हम भगवद्गीता में इसकी अधिक स्पष्ट व्याख्या पाते हैं, जिसमें ज्ञान योग, भक्ति योग और कर्म योग की अवधारणा को विस्तृत रूप से प्रस्तुत किया गया है। ये तीन प्रकार के योग आज भी मानव बुद्धि के सर्वोच्च उदाहरण हैं और आज भी लोग गीता में बताए गए तरीकों का पालन करके शांति पाते हैं। पतंजलि के योग सूत्र में योग के विभिन्न पहलुओं को शामिल करने के अलावा, मुख्य रूप से योग के आठ गुना मार्ग के रूप में पहचाना जाता है। व्यास द्वारा योग सूत्र पर बहुत महत्वपूर्ण टिप्पणी भी लिखी गई थी। इसी अवधि के दौरान मन के पहलू को महत्व दिया गया था और इसे योग साधना के माध्यम से स्पष्ट रूप से सामने लाया गया था, मन और शरीर दोनों को समता का अनुभव करने के लिए नियंत्रण में लाया जा सकता है। 800 ई. - 1700 ई. के बीच की अवधि को उत्तर शास्त्रीय काल के रूप में मान्यता दी गई है, जिसमें महान आचार्यत्रय - आदि शंकराचार्य, रामानुजाचार्य, माधवाचार्य - की शिक्षाएं इस अवधि के दौरान प्रमुख थीं। इस अवधि के दौरान सूरदास, तुलसीदास, पुरंदरदास, मीराबाई की शिक्षाएं महान योगदानकर्ता थीं। हठयोग परंपरा के नाथ योगी जैसे मत्स्येन्द्रनाथ, गोरक्षनाथ, चौरंगीनाथ, आत्माराम सूरी, घेरंडा, श्रीनिवास भट्ट कुछ महान व्यक्तित्व हैं जिन्होंने इस अवधि के दौरान हठ योग प्रथाओं को लोकप्रिय बनाया।

1700 - 1900 ई. के बीच की अवधि को आधुनिक काल माना जाता है जिसमें महान योगाचार्यों - रमण महर्षि, रामकृष्ण परमहंस, परमहंस योगानंद, विवेकानंद आदि ने राज योग के विकास में योगदान दिया है। यह वह अवधि थी जब वेदांत, भक्ति योग, नाथयोग या हठ-योग का विकास हुआ। गोरक्षशतकम् का षडंग-योग, हठयोगप्रदीपिका का चतुरंग-योग, घेरंडा संहिता का सप्तांग-योग, हठ-योग के मुख्य सिद्धांत थे।

आज के समय में, हर कोई स्वास्थ्य के संरक्षण, रखरखाव और संवर्धन के लिए योग अभ्यास के बारे में आश्वस्त है। स्वामी शिवानंद, श्री टी. कृष्णमाचार्य, स्वामी कुवलयानंद, श्री योगेंद्र, स्वामी राम, श्री अरबिंदो, महर्षि महेश योगी, आचार्य राजनीश, पट्टाभिजोई, बी.के.एस. अयंगर, स्वामी सत्यानंद सरस्वती और ऐसे ही अन्य महान व्यक्तित्वों की शिक्षाओं के माध्यम से योग पूरे विश्व में फैल गया है।

मंत्रिमंडल में फोकस क्षेत्रों और राजनीतिक मजबूरियों की झलक, वादों के मुताबिक नतीजों पर रहेंगी नजरें

मोदी के नेतृत्व में राजग-3.0 सरकार काम पर लग गई है। जाहिर है, सौ दिनों का कार्यक्रम पर काम हो रहा है। ऐसे में, उन मुद्दों को समझना जरूरी है, जो चुनाव अभियानों के दौरान छाए रहे।?कृषि, पानी, उद्योग, श्रम, कौशल और रोजगार से संबंधित चिंताओं पर ध्यान दिया जाना जरूरी है। यह शिवराज सिंह चौहान (कृषि, कृषक कल्याण एवं ग्रामीण विकास)-कृषि क्षेत्र का संकट राजनीतिक संवादों एवं आर्थिक आंकड़ों में प्रतिध्वनित होता है। लगभग आधा यानी 45 फीसदी कार्यबल कृषि में लगा हुआ है और राष्ट्रीय आय के छठे हिस्से पर निर्भर है। यह आंकड़ा गरीबी का केंद्रीय पहलू है।

निजी क्षेत्र का सबसे बड़ा उद्यम होने के बावजूद उद्योग के विपरीत कृषि में आगत और निर्गत के संबंधों का अभाव है, जो पुन: कृषि कानूनों (जिन्हें वापस ले लिया गया था) को लाने की आवश्यकता पर बल देता है, ताकि नवाचार को अपनाया जा सके और किसान उत्पादक संगठनों एवं सहकारी समितियों के जरिये ऋण, भंडारण एवं बाजारों तक पहुंच को सक्षम बनाया जा सके। ग्रामीण विकास एवं कृषि को एक साथ लाने से लक्ष्यों में तालमेल बिठाया जा सकता है। हालांकि जरूरी सुधार पूरी तरह से राज्यों के अधिकार क्षेत्र में है। यही बात चार बार के मुख्यमंत्री और वरिष्ठ राजनेता के रूप में चौहान के चयन को महत्वपूर्ण बनाती है, जो राज्यों के साथ सहयोग करने और खेती के मुद्दों को आगे बढ़ाने में सक्षम हैं।

चिराग पासवान (खाद्य प्रसंस्करण)-चौहान को युवा खाद्य प्रसंस्करण मंत्री चिराग पासवान का भी मार्गदर्शन करना होगा। राजनीतिक अर्थव्यवस्था के आंकड़ों में उच्च मुद्रास्फीति का दर्द सुना जा सकता है। आठ फीसदी से अधिक खाद्य मुद्रास्फीति निजी उपभोग एवं कॉरपोरेट राजस्व पर जीडीपी के आंकड़ों में दिखाई देती है। इसका कारण असमान उत्पादन और भंडारण व प्रसंस्करण क्षमता का अभाव है। भारत को किराये पर भंडारण के लिए एक ढांचा तैयार करने की जरूरत है, जहां किसान अपनी उपज को इच्छानुसार बेचने या ऋण के लिए गिरवी रख सकें। भारत को 'एक जिला, एक उत्पाद' का लाभ उठाने तथा मूल्य संवर्धन और रोजगार बढ़ाने के लिए प्रसंस्करण क्षमता के विस्तार की खातिर राज्यों में विधायी मार्ग को स्पष्ट करने की भी जरूरत है।

सीआर पाटिल (जल शक्ति)-भारत में जल संकट पर लंबे समय से ध्यान नहीं दिया गया है और यह कई जटिल बाध्यताओं से घिरा हुआ है। भंडारण, उपलब्धता, गुणवत्ता और पहुंच के मुद्दों के कारण महत्वाकांक्षी %हर घर जल% कार्यक्रम भी आलोचनाओं के निशाने पर है। घटते भूजल स्तर और टैंकर आपूर्ति वाले शहरी भारत के आंकड़ों में इसे स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है, जो 100 से अधिक लोकसभा क्षेत्रों में फैला है। भारत का हर प्रमुख महानगर 50 से लेकर 100 किलोमीटर से अधिक दूरी से पेयजल प्राप्त करता है। ऐसे में, एक समग्र दृष्टिकोण की आवश्यकता है। पानी के खारेपन को दूर करने तथा रीसाइक्लिंग के लिए संयंत्र लगाना तत्काल जरूरी है। इसके लिए काफी धन की जरूरत होगी तथा पब्लिक-प्राइवेट मॉडल की आवश्यकता होगी। भारत के पास सॉवरेन और पेंशन फंड से धन जुटाने का अवसर है। एक टेक्नोक्रेट-राजनीतिक होने के नाते पाटिल के पास विरासत को संभालने का मौका है।

मनसुख मंडाविया (श्रम, रोजगार एवं युवा मामले) और जयंत चौधरी (कौशल विकास)- बेरोजगारी और रोजगार सृजन का मुद्दा पूरे चुनाव के दौरान गूंजता रहा। रोजगार सृजन और उपलब्ध कौशल में काफी अंतराल?है। भारत को एक ऐसी श्रम नीति की जरूरत है, जो नीतियों को बाजार की जरूरतों के साथ जोड़ सके। बेशक हमारे पास कौशल विकास कार्यक्रम है, लेकिन जैसा कि संसद की स्थायी समिति ने रेखांकित किया, कुशल लोगों को प्लेसमेंट के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। सबसे पहले शैक्षणिक उपलब्धियों की मैपिंग, युवा कार्यबल के कौशल को प्रमाणित करने के लिए ढांचा, उद्योग की जरूरतों के हिसाब से पाठ्यक्रमों को पुन: तैयार करने और कंपनियों को कर्मचारियों को कुशल बनाने एवं फिर से कौशल प्रदान करने के लिए कार्यक्रमों को शुरू करने के लिए प्रेरित करने की जरूरत है। सरकार को ग्लोबल स्किल गैप स्टडी द्वारा उजागर किए गए अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। मंडाविया एवं चौधरी को अकाउंट एग्रीगेटर और ओएनडीसी पहलों में भी तेजी लानी होगी, ताकि रोजगार पैदा करने वाले स्टार्ट-अप्स को ऋण और बाजार तक पहुंच मिल सके। पीयूष गोयल (वाणिज्य एवं उद्योग)-बदलती भू-राजनीति, खास तौर पर अमेरिका और चीन के बीच तनाव ने वैश्विक कंपनियों को जस्ट-इन-टाइम (जरूरत पड़ने पर ही आपूर्तिकर्ताओं से सामान मंगाना) से जस्ट-इन-केस (किसी उत्पाद के स्टॉक से ज्यादा बिकने की संभावना को कम करना) बिजनेस मॉडल अपनाने के लिए प्रेरित किया है। भारत वैश्विक विनिर्माण में अपनी मौजूदगी बढ़ाने के वैश्विक अवसर के चौराहे पर खड़ा है। मई में पीडब्ल्यूसी द्वारा प्रकाशित एक सर्वेक्षण के मुताबिक, भारत वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अमेरिका और चीन के बाद, तीसरी सबसे अहम कड़ी के रूप में उभर रहा है, विशेष रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स, फार्मास्यूटिकल्स और चिकित्सा उपकरणों के क्षेत्र में। हां, उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना कुछ क्षेत्रों में फायदा पहुंचा रही है, लेकिन और काम करने की जरूरत है।

सुधारों के अधूरे एजेंडे का बोझ राज्यों पर है और यहां नीति आयोग सर्वोत्तम प्रथाओं की एक ब्लू बुक बनाकर बदलाव ला सकता है। भारत को नई श्रम संहिताओं को अपनाने में तेजी लानी होगी।

सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों की अधिशेष भूमि का लाभ उठाकर निवेश करने वाली कंपनियों के लिए जगह बनानी होगी और नियामकीय बाधाओं को दूर करना होगा। भारत को निवेश आकर्षित करने और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने के लिए और अधिक औद्योगिक समूहों की आवश्यकता है, विशेष रूप से पूर्वी तट और उत्तर के संसाधन संपन्न राज्यों में। मंत्रिमंडल में मंत्रियों के चयन से व्यक्तित्व के साथ फोकस क्षेत्रों के दिलचस्प जुड़ाव, राजनीतिक मजबूरियों और आर्थिक अनिवार्यताओं का पता चलता है। यह देखना अभी बाकी है कि इस पूरे बदलाव से वादे के मुताबिक नतीजे मिलते हैं या नहीं।

विकास एवं समृद्धि के लिए प्रमुख मंत्रालयों की कार्यसूची पेश करने का अवसर प्रदान करता है।

होने वाले दामाद जहीर को शत्रुघ्न सिन्हा ने लगाया गले, दरार की अफवाहों को किया खारिज

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल 23 जून को शादी के बंधन में बंधन वाले हैं। दोनों की शादी लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। अफवाहें थीं कि अभिनेत्री के पिता, अभिनेता और राजनेता शत्रुघ्न सिन्हा उनसे नाराज हैं और वो शादी में शामिल नहीं होंगे। मगर उन्होंने इन तमाम अफवाहों पर विराम लगाने के बाद होने वाले दामाद जहीर इकबाल को गले लगाया। गुरुवार शाम को दोनों को पहली बार साथ में देखा गया। इस दौरान उन्होंने पैपराजी के सामने तस्वीरें भी करवाईं। शत्रुघ्न सिन्हा और जहीर इकबाल का इस दौरान का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। सोनाक्षी के फैंस इस वीडियो को बेहद पसंद कर रहे हैं। शत्रुघ्न और जहीर दोनों ने पैपराजी के सामने गले मिलकर पोज दिया। शत्रुघ्न इस दौरान बेहद खुश नजर आए और पैपराजी के अनुरोध पर उन्होंने खामोश भी कहा। सोनाक्षी सिन्हा भी अपनी शादी की खबरों के बीच पहली बार नजर आईं। वह अपनी कार से उतरीं और अपार्टमेंट की बिल्डिंग के अंदर चली गईं। उन्होंने बाहर खड़े पैपराजी से एक शब्द भी नहीं कहा। सोनाक्षी इस दौरान पैपराजी को इग्नोर करती हुई दिखाई दीं। इस दौरान वह सफेद कलर के आउटफिट में नजर आईं। उन्होंने मास्क से अपना चेहरा कवर किया हुआ था।

सोनाक्षी के अलावा उनके माता-पिता शत्रुघ्न और पूनम सिन्हा भी जहीर के घर पर नजर आए। बाद में उन्हें आधी रात के आसपास जहीर के घर से निकलते हुए भी देखा गया। अफवाहें उड़ रही थीं कि सोनाक्षी का परिवार जहीर के साथ उनकी अचानक शादी से नाराज है। हालांकि, इन तस्वीरों और वीडियो ने इन सभी अटकलों पर पूर्ण विराम लगा दिया है।

इससे पहले शत्रुघ्न ने शादी में अपनी उपस्थिति की पुष्टि की। उन्होंने कहा था, मैं निश्चित रूप से शादी में मौजूद रहूंगा। मुझे क्यों नहीं होना चाहिए और क्यों नहीं रहूंगा? उनकी खुशी मेरी खुशी है और मैं भी उनकी खुशी का हकदार हूं। उन्हें अपना साथी चुनने और अपनी शादी की अन्य चीजें चुनने का पूरा अधिकार है। मैं न केवल उनकी ताकत के रूप में बल्कि उनके असली कवच के रूप में भी यहां हूं।

द टुनाइट शो विद जिमी फॉलन में दिलजीत ने गाया मैं हूं पंजाब, गायक ने किया कारण का खुलासा

दिलजीत दोसांझ की गायकी जितनी खूबसूरत है उनकी सादगी भी उतनी ही सुंदर है। हाल ही में गायक द टुनाइट शो विद जिमी फॉलन में बतौर मेहमान शामिल हुए। उस शो के दौरान दिलजीत की सादगी ने पूरी दुनिया में मौजूद उनके फैंस के दिलों को एक बार फिर से जीत लिया। गायक ने शो के दौरान मैं हूं पंजाब पर परफॉर्म किया था। अब एक इंटरव्यू के दौरान खुद उन्होंने खुलासा किया कि वे इस गाना को नहीं गाने वाले थे।

बड़ी ख्वाहिश थी जिमी फॉलन के शो में जाने की दिलजीत दोसांझ इन दिनों सफलता का मीठा स्वाद चख रहे हैं। उनकी फिल्म अमर सिंह चमकीला को जहां दर्शकों का बेशुमार प्यार मिला है वहीं वे भारत के बाहर भी अपनी गायकी का जलवा बिखेर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया कि वे कब से द टुनाइट शो विद जिमी फॉलन का हिस्सा बनना चाहते थे। इसके बारे में उन्होंने अपने एक दोस्त को बताया भी था। तब उनके दोस्त ने उन्हें मेनिफेस्टेशन की सलाह दी थी और वे अब द टुनाइट शो विद जिमी फॉलन का हिस्सा बन चुके हैं।

मैं हूं पंजाब प्लान में शामिल नहीं था दिलजीत दोसांझ द टुनाइट शो विद जिमी फॉलन में गोट और बॉर्न टू शाइन पर लाइव परफॉर्म किया था। वहीं उन्होंने आखिर में मैं हूं पंजाब गाया। इसके बारे में बातें करते हुए गायक कहते हैं, पहले से तय नहीं था कि मैं इस गाने को गाऊंगा। कई और गाने जैसे किन्नी-किन्नी और नैना भी लिस्ट में थे, लेकिन वे गाने मेरे लुक के साथ नहीं जा रहे थे इसलिए मैंने मैं हूं पंजाब पर परफॉर्म किया।

गाना से यादा जरुरी है पंजाबी लुक दिलजीत दोसांझ अपने अभिनय और गायकी के अलावा अगर किसी एक चीज के लिए मशहूर है तो वह उनका स्टाइल है। वे कहीं भी परफॉर्म करने जाते हैं तो अपने लुक को लेकर काफी सीरियस होते हैं। द टुनाइट शो विद जिमी फॉलन में वे एकदम पंजाबी लुक में शमिल हुए थे। इस बारे में बातें करते हुए दिलजीत कहते हैं, मेरे लिए गाना से यादा जरुरी मेरा पहनावा है। मैं उस दिन शो में पंजाबी पहनावे में था इसलिए मैंने मैं हूं पंजाब पर परफॉर्म किया। वह गाना मेरे प्लान का हिस्सा नहीं था।

अभिनय में अव्वल इन सितारों ने जीता जनता का दिल, मनचाहे मुकाम के लिए अब भी संघर्ष जारी

फिल्म इंडस्ट्री प्रतिभाशाली स्टार्स से भरी हुई है। मनोरंजन जगत में कुछ नामी सितारे ऐसे हैं, जिन्हें हर कोई जानता है। वहीं, शोबिज की दुनिया में कुछ ऐसी हस्तियां भी हैं, जिन्होंने छोटे से लेकर बड़े रोल तक में दमदार प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा को साबित किया है। बावजूद इसके भी ये स्टार्स उस मुकाम तक कभी नहीं पहुंच पाए, जहां इन्हें होना चाहिए था। बॉलीवुड के ए लिस्टर स्टार्स के आगे ये सितारे आज भी कहीं छिप जाते हैं। साथ ही बेहतरीन काम के बाद भी अंडररेटेड ही माने जाते हैं। इस लिस्ट में किस-किस का नाम शामिल है, चलिए जान लेते हैं-

जयदीप अहलावत ने वेब सीरीज पाताल लोक में अपने शानदार प्रदर्शन से हर किसी का दिल जीत लिया। अभिनेता को हाल ही में करीना कपूर के साथ थ्रिलर ओटीटी फिल्म जाने जां में देखा गया। जयदीप ने कई फिल्मों और वेब सीरीज में अपने अभिनय का लोहा मनवाया है। बावजूद इसके उन्हें इंडस्ट्री में वह मुकाम नहीं मिल पाया है, जिसके वह असली हकदार हैं।

एक समय पर अपने चॉकलेटी लुक से लड़कियों का दिल चुरा लेने वाले अभिनेता जिमी शेरगिल ने पर्दे पर हर तरह का किरदार निभाया है। फिल्म तनु वेड्स मनु में जिमी ने अपनी कॉमिक टाइमिंग से दर्शकों को हंसा-हंसाकर लोटपोट कर दिया था। अवस्थी जी के किरदार के लोग दीवाने हो गए थे। जिमी अपने हर किरदार को पूरी ईमानदारी से निभाते हैं। बावजूद इसके आज भी वह एक अंडररेटेड स्टार ही हैं। राधिका आप्टे को नेटफ्लिक्स क्वीन कहा जाता है। राधिका हर तरह के किरदार में ढलना बखूबी जानती हैं। देसी हो या ग्लैमरस वह हर रूप में खूब जंचती हैं। बदलापुर, हंटर, द कॉलिंग, पार्च्ड जैसी कई मूवीज में नजर आ चुकीं राधिका ने हर कदम पर खुद को साबित किया है। इन सबके बावजूद वह ए लिस्टर हसीना नहीं बन पाई हैं।

वेब सीरीज मिर्जापुर में गुड्डू भैया का किरदार निभाकर दर्शकों के दिलों पर छा जाने वाले अभिनेता अली फजल कई फिल्मों का हिस्सा रहे हैं। अली ने 3 इडियट्स, फुकरे और बॉबी जासूस जैसी बेहतरीन फिल्मों से दर्शकों का दिल जीता है। साथ ही वह हॉलीवुड प्रोजेक्ट डेथ ऑन द नाइल का भी हिस्सा रहे हैं। अभिनेता को जल्द ही फिल्म खुफिया में देखा जाएगा। इतना काम करने के बाद भी अली फजल की गिनती अंडररेटेड सितारों में ही होती है।

विजय वर्मा एक के बाद एक वेब सीरीज और फिल्मों में अपने दमदार काम से नाम कमा रहे हैं। अभिनेता को रंगरेज, सुपर 30, घोस्ट स्टोरीज, डार्लिंग्स और लस्ट स्टोरीज 2 जैसी फिल्मों बेहतरीन काम करते देखा जा चुका है। अभिनेता जल्द ही करीना कपूर के साथ ओटीटी फिल्म जाने जां में नजर आएंगे। शानदार अभिनय और दमदार प्रदर्शन के बाद भी विजय को वह मुकाम हासिल नहीं हो सका है, जिसके वह असली हकदार हैं।

दिग्गज अभिनेता डोनाल्ड सदरलैंड का निधन, बेटे किफर ने साझा किया भावुक नोट

दिग्गज अभिनेता डोनाल्ड सदरलैंड का 88 वर्ष की आयु में निधन हो गया है। डोनाल्ड ने लंबी बीमारी से जूझने के बाद 20 जून को अंतिम सांस लेकर दुनिया को हमेशा के लिए अलविदा कह दिया। इस दुखद खबर की पुष्टि डोनाल्ड के बेटे किफर सदरलैंड ने की है। किफर ने सोशल मीडिया पर एक भावुक नोट लिखा। साथ ही अपने पिता को एक ऐसे कलाकार के रूप में याद किया जो अपनी कला से प्यार करते थे और एक ऐसे अभिनेता थे जो हॉलीवुड के सबसे महत्वपूर्ण सितारों में से एक थे।किफर ने लिखा भावुक नोट किफर ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक बयान में लिखा, भारी मन से, मैं आपको बताता हूं कि मेरे पिता डोनाल्ड सदरलैंड का निधन हो गया है। मैं व्यक्तिगत रूप से उन्हें फिल्म के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण अभिनेताओं में से एक मानता हूं। वह कभी भी किसी भूमिका से घबराएं नहीं, चाहे वह अच्छी हो, बुरी हो या बदसूरत। वह जो करते थे उससे प्यार करते थे और वही करते थे जो उन्हें पसंद था, और इससे अधिक कोई कभी नहीं मांग सकता। एक जीवन अच्छी तरह से जीया गया। डोनाल्ड के साथ किफर का काम किफर, डोनाल्ड के चार बेटों में से एक हैं।

कास्टिंग काउच लेकर ईशा का छलका दर्द

बोलीं- एक बड़े स्टार ने कहा था बात मान लो या हार मान लो

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री ईशा कोप्पिकर इन दिनों सुर्खियों में बनी हुई हैं। ईशा कोप्पिकर ने बॉलीवुड में डेब्यू फिजा फिल्म से किया था। उन्होंने हिंदी फिल्मों के अलावा कई साउथ की फिल्मों में भी काम किया है। हाल ही में अभिनेत्री ने कास्टिंग काउच को लेकर एक सनसनीखेज खुलासा किया है। उन्होंने बॉलीवुड के काले सच को एक बार फिर से दुनिया के सामने रखा है।

टाइपकास्ट का शिकार हुई ईशा ईशा कोप्पिकर आज भी अपने बोल्ड आइटम नंबर के लिए याद की जाती हैं। उनके चाहने वालों को आज भी इश्क समुंदर और खल्लास जैसे गाने याद हैं। हाल ही एक इंटरव्यू के दौरान जब ईशा से जब पूछा गया कि क्या उन्हें टाइपकास्ट कर दिया गया था। इस सवाल के जवाब में अभिनेत्री कहती हैं, सच कहूं तो ऐसा कभी नहीं होता था कि निर्देशक आप से पूछते हों कि आप क्या कर सकते हैं और क्या नहीं। अभिनेत्रियां क्या करेंगी ये अक्सर अभिनेता तय करते थे।

बात मान लो या हार मान लो ईशा कोप्पिकर ने आगे कहा, आपने मी टू के बारे में सुना है न उसमें सचाई है। अगर आपके पास संस्कार हैं तो बॉलीवुड में टिकना मुश्किल है। कई लड़कियों ने तो कास्टिंग काउच के डर से इंडस्ट्री छोड़ दी। लड़कियों से कहा जाता था या तो बात मान लो या हार मान लो। ऐसे बहुत कम लोग हैं जो अभी भी इंडस्ट्री में हैं और उन्होंने हार नहीं मानी है और मैं उनमें से एक हूं।

आपस में भाई-बहन हैं साउथ के ये सितारे निर्देशक गलत तरह से छूते थे ईशा कोप्पिकर कास्टिंग काउच के बारे में बातें करते हुए कहती हैं, कई बार निर्माता-निर्देशक मिलने के लिए बुलाते थे और गलत तरीके से न सिर्फ छूते थे बल्कि हाथों को दबा कर कहते थे हीरो से दोस्ती करनी पड़ेगी। इतना ही नहीं एक बार एक बड़े हीरो ने मुझसे कहा था कि अकेले मिलने आना। यहां तक कि अपने ड्राइवर को भी साथ नहीं लाना क्योंकि उस समय उनका नाम एक अन्य अभिनेत्री से जुड़ा था। उन्होंने मुझसे कहा कि अगर बॉलीवुड में टिक कर रहना चाहती हो तो मिलनसार बनकर रहना ही पड़ेगा।

हमेशा के लिए बंद होगा प्रियंका का पूर्व रेस्तरां सोना, एलान कर बताया किस दिन होगी अंतिम सेवा

प्रियंका चोपड़ा के न्यूयॉर्क सिटी रेस्तरां सोना ने मार्च 2021 में कोविड-19 प्रतिबंधों के बीच अपनी शुरुआत की। इस रेस्तरां की जल्द ही सोशल मीडिया पर अछी खासी लोकप्रियता हो गई। हालांकि, प्रियंका ने अगस्त 2023 में घोषणा की थी कि वे सोना से अलग हो रही हैं, जिसकी उन्होंने मनीष गोयल के साथ सह-स्थापना की थी। अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर यह खबर साझा करते हुए रेस्तरां ने घोषणा की है कि तीन साल की यात्रा के बाद यह जल्द ही बंद हो जाएगा। रेस्तरां से बयान जारी कर कहा, तीन से यादा उल्लेखनीय वर्षों के बाद सोना बंद होने जा रहा है। हम उन सभी लोगों के बेहद आभारी हैं जो हमारे दरवाजे से गुजरे। आपकी सेवा करना हमारे लिए सबसे बड़ा सम्मान रहा है। रेस्तरां ने हर दिन स्वादिष्ट भोजन, मुस्कान और गर्मजोशी प्रदान करने के लिए अपनी समर्पित टीम को धन्यवाद दिया। पोस्ट के अनुसार, सोना की अंतिम सेवा रविवार, 30 जून को ब्रंच होगी। सोना ने कहा, हमें उम्मीद है कि हम आपको भोजन या पेय के लिए आखिरी बार देखेंगे। हमारे दरवाजे और दिल खुले हैं।

यह रेस्तरां कम समय में ही दिग्गज हस्तियों के लिए पसंदीदा जगह बन गया था। पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कई सोना प्रेमियों ने आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा कि हम आपको याद करेंगे। पिछले साल प्रियंका चोपड़ा के प्रतिनिधि ने खुलासा किया था कि अभिनेत्री सोना के उद्घाटन के समय से ही इसकी भागीदार थीं। अब वे अन्य आकांक्षाओं पर ध्यान केंद्रित करेंगी। उन्होंने कहा था कि प्रियंका ने सोना में अपनी भागीदारी से खुद को अलग कर लिया है। सोना को जीवन में लाना निश्चित रूप से उनके करियर का एक गौरवपूर्ण और महत्वपूर्ण क्षण होगा। प्रियंका ने हमेशा कहानी के माध्यम से भारतीय संस्कृति को सामने लाने का प्रयास किया है, चाहे वह फिल्म और टीवी के लिए आकर्षक सामग्री के माध्यम से हो या भारत के उच व्यंजनों को दर्शाने वाली खूबसूरती से परोसी गई डिश के माध्यम से हो। उन्होंने कहा कि वे एसओएनए से अलग होकर बड़े वैश्विक स्तर पर इन लक्ष्यों को प्राप्त कर सकती हैं और वे आगे आने वाले अवसरों को लेकर रोमांचित हैं। वहीं बात करें प्रियंका चोपड़ा की आने वाली फिल्म के बारे में तो वे इन दिनों द ब्लफ की शूटिंग में व्यस्त हैं।

पहले हफ्ते चंदू चैंपियन ने पीटे इतने करोड़, समझिए हिट या फ्लॉप रहे कार्तिक आर्यन

कार्तिक की साल की पहली फिल्म और करोड़ों चाहने वालों की दुआएं, फिल्म भी ऐसी कि जिसे देखने के बाद कोई भी दर्शक इसे सिरे से नहीं नकार सकता, लेकिन फिल्म अच्छी है या बुरी, इससे ज्यादा फर्क पड़ता है कि फिल्म चली या नहीं। इस आखिरी पैमाने पर कार्तिक आर्यन फेल हो चुके हैं। उनकी बीते शुक्रवार रिलीज फिल्म 'चंदू चैंपियन' बॉक्स ऑफिस पर हांफ रही है और इसके अब 50 करोड़ तक की कमाई तक पहुंचना भी मुश्किल लगने लगा है। करीब 120 करोड़ रुपये में बनी फिल्म 'चंदू चैंपियन' की पहले हफ्ते की कमाई इसी अवधि में कार्तिक की फिल्म 'लव आजकल' की कमाई से बस थोड़ी ही बेहतर है। 14 जून को रिलीज हुई फिल्म 'चंदू चैंपियन' पैरालंपिक चैंपियन मुरलीकांत पेटकर की जीवनी पर बनी फिल्म है। फिल्म का विषय सर्वग्राही न होने का इसे सबसे ज्यादा खामियाजा उठाना पड़ा है। फिल्म के निर्देशक कबीर खान की ये सबसे बड़ी चूक मानी जा रही है। उनकी पिछली फिल्म '83' क्रिकेट में भारत की विश्वकप विजय पर बनी थी और फिल्म के हीरो रणवीर सिंह के करियर के लिए घातक साबित हुई थी। उसके बाद से रणवीर सिंह अब तक अपना करियर पटरी पर लाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

कार्तिक आर्यन के लिए हालात थोड़े बेहतर हैं क्योंकि फिल्म 'चंदू चैंपियन' की कमाई को लेकर उन्होंने शुरू से बड़े बड़े दावे नहीं किए। उन्होंने सिर्फ अपने अभिनय की मेहनत पर बात की और उनके अभिनय की इस फिल्म में खूब बड़ाई हो भी रही है। लेकिन, समग्र रूप से एक कमजोर फिल्म होने के चलते फिल्म ने पहले वीकएंड में ही बॉक्स ऑफिस पर दम सा तोड़ दिया। रिलीज के पहले दिन सिर्फ 4.75 करोड़ रुपये कमाने वाली इस फिल्म ने पहले वीकएंड पर सिर्फ 21.50 करोड़ रुपये की कमाई करके पूरे फिल्म जगत को सकते में डाल दिया था। फिल्म ने अपनी रिलीज के सातवें दिन गुरुवार को हुई 2.29 करोड़ रुपये की कमाई मिलाकर पहले हफ्ते में सिर्फ 35.04 करोड़ रुपये की कमाई घरेलू बॉक्स ऑफिस पर की है।

घरेलू बॉक्स ऑफिस पर सबसे कम कमाई करने का कार्तिक आर्यन की फिल्मों का रिकॉर्ड फिल्म 'आकाशवाणी' के पास रहा है जिसने साल 2013 में रिलीज होन पर पहले हफ्ते में सिर्फ 1.92 करोड़ रुपये कमाए थे और फिल्म फ्लॉप रही थी। कार्तिक की अब तक की सबसे बड़ी हिट फिल्म दो साल पहले रिलीज हुई 'भूल भुलैया 2' रही है जिसने रिलीज के पहले हफ्ते में 92.05 करोड़ रुपये की शानदार कमाई की थी। कार्तिक की 'चंदू चैंपियन' से पहले रिलीज फिल्म 'सत्यप्रेम की कथा' रही है जिसने रिलीज के पहले हफ्ते में 51.60 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

चूना भट्टे के मैनेजर को अज्ञात लोगों ने भट्टे में डालकर जलाया जिंदा

ग्राम कछगवा में स्थित सिमको कम्पनी के भट्टे में हुई वारदात

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी के कुठला थाना अंतर्गत ग्राम कछगवां से आज सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना प्रकाश में आई है। यहां सिमको कंपनी के भट्टे में मैनेजर को अज्ञात लोगों ने भट्टे में डालकर जिंदा जला दिया। घटना की जानकारी लगते ही क्षेत्र में सनसनी फैल गई। लोगों से सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची। भट्टे में जिंदा जलाए गए मैनेजर की लाश पूरी तरह राख हो चुकी है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक ग्राम कछगवां में सिमकों कंपनी का चूना भट्टा मौजूद है। चूना भट्टा में समीपवर्ती ग्राम मुडेहरा निवासी 55 वर्षीय सम्मू विश्वकर्मा मैनेजर के तौर पर कार्यरत था। जिसे किसी कारणवश कुछ अज्ञात लोगों ने बीती देर रात उसके साथ मारपीट करते हुए उसे जिंदा भट्टा में फेंक दिया। भट्टे में फेक जाने के कारण सम्मु की बॉडी का लगभग आधे से अधिक हिस्सा जलकर राख हो गया है। इस घटना के कारण वहां काम करने वाले मजदूर डर के कारण भाग खड़े हुए हैं। 55 वर्षीय मैनेजर की हत्या प्रेम प्रसंग के कारण किए जाने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस मामले की गंभीरता को देखते हुए सारे पहलुओं पर गंभीरता पूर्वक जांच कर रही है। इस मामले में आरोपियों के जल्द पकड़े जाने की संभावना जताई जा रही है।

पुलिस अधीक्षक ने अपने जीवन की कहानी सुनाकर सबको रोमांचित किया, कहा जीवन में कभी निराश मत होना, आत्म निर्भर बनना

कन्या हाई स्कूल अभाना को गोद लेने का निर्णय लिया

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, यदि कोई महिला, कोई लड़की आर्थिक रूप से स्वतंत्र है, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर है, तो उन्हें इन समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। आप सभी विद्यार्थियों का पहला लक्ष्य अपनी जिंदगी यही होना चाहिए, की आपको आर्थिक रूप से स्वतंत्र होना है, किसी पर निर्भर नहीं रहना है। यह बात आज पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी ने शासकीय कन्या हाई स्कूल अभाना में आयोजित भविष्य से भेंट कार्यक्रम में कही। इस अवसर पर अर्चना जैन, सरपंच गोविंद सिंह, डॉक्टर आलोक सोनवलकर, थाना प्रभारी नोहटा अरविंद सिंह, श्रयांस जैन उपस्थित रहे।

पुलिस अधीक्षक ने विद्यार्थियों से कहा सभी को मौके मिलते हैं सभी के व्यक्तित्व और प्रतिभा के हिसाब से वे चाहे तो दुनिया पलट सकते हैं। हम सभी में अपार क्षमता है। मैं इस नौकरी में आया हूं मेरे ऑफिस में आधे से यादा जो लोग मिलने आते हैं उनमें से सबसे यादा महिलाएं होती हैं, वह किसी न किसी रूम में परेशान रहती है, उन्हें दिक्कत होती है, तो मैं हमेशा यही सोचता हूं मैं उनके लिए क्या एक्स्ट्रा मदद कर सकूं और मेरे दिमाग में केवल एक ही चींज आती है, वह यह है किअपने और अपने परिवार के ऊपर पैसे खर्च करने के लिए पैसे हो, यदि आप किसी को पैसे देना चाहे अपने परिवार में, अपने दोस्त, अपने पड़ोसी-रिश्तेदारों को उनकी मदद करने के लिए पैसे हो। पैसे की बात मैंने इसलिए की है क्योंकि समाज में सम्मानपूर्वक रहने के लिए कुछ पैसे होने ही चाहिए। इसलिये सभी को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनना है। उन्होंने कहा शतरंज की कहानी में यह होता है की जो खिलाड़ी होता है उसका अपना अपना एक रोल होता है, यहां पर इतने सारे बचे बैठे हुए हैं कुछ बचे यादा नंबर पाते हैं कुछ कम अंक पाते है, वे भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं, इसके लिये आपको निराश नहीं होना है। आप लोगों को यह सोचने की जरूरत नहीं है स्कूल के किसी एग्जाम में आपके नंबर नहीं आ रहे हैं, तो आप किसी से कम है। सभी अलग-अलग कार्य के लिये बने है, इसलिये हमेशा आत्मविश्वास बनाये रखे, हम किसी से कम नहीं है। सभी विषय बराबर है, सवाल रूचि एवं चयन का है। उन्होंने कहा वर्तमान में मोबाईल ने हर विद्यार्थी को समान बना दिया है, दमोह और दिल्ली के विद्यार्थी अब समान है। एक किताब एक हजार किताब के बराबर है इसलिये सोने से पहले पढ़ने की आदत डालना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को कछुआ और खरगोश की प्रेरक कहानी सुनाकर सभी को प्रेरणा दी कि हमें कछुआ बनना है, जिससे हम कछुये के समान निरंतर बिना रूके अपने लक्ष्य के लिये आगे बढ़ते रहे और सफल हो।

पुलिस अधीक्षक सोमवंशी ने अपने जीवन की कहानी सुनाकर, सबको रोमांचित किया ओर कहा कि जीवन में कभी निराश मत होना, आत्म निर्भर बनना। उन्होंने कन्या हाई स्कूल अभाना को गोद लेने का निर्णय लिया।

पुलिस अधीक्षक सोमवंशी ने कु भारती लोधी को साफा पहनाकर, आई कोन अवार्ड प्रदान किया। कार्यक्रम में कु. त्रिवेणी, कु. साक्षी, रंजीता, अंजली, नेहा रैकवार आदि को अछे अंक लाने पर पुरुस्कृत किया गया।

पन्ना के अमानगंज में शासकीय बालक उचतर माध्यमिक विद्यालय, एवं शासकीय कन्या उचतर माध्यमिक विद्यालय अमानगंज में चला स्कूल चले हम अभियान, भविष्य से भेंट

कार्यक्रम में सम्मिलित हुए क्षेत्रीय विधायक डॉ राजेश

रामनरेश विश्वकर्मा । सिटी चीफ अमानगंज, मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार 18 से 20 जून तक स्कूल चलें हम अभियान का कार्यक्रम जारी किया गया है। अंतिम दिवस 20 जून को भविष्य से भेंट कार्यक्रम के तहत आवंटित शालाओं में जिले के अधिकारी उपस्थित होकर बचों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करें और एक-एक पीरियड शुरू बचों पढाने को कहा गया था। इस अभियान में जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं नागरिकों को भी आमंत्रित करने को कहा गया था, इसी कड़ी में आज दिनांक को स्कूल चले हम अभियान एवं भविष्य से भेंट कार्यक्रम का आयोजन पीएम श्री शासकीय बालक उचतर माध्यमिक विद्यालय अमानगंज एवं शासकीय कन्या उचतर माध्यमिक विद्यालय अमानगंज में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक डॉ राजेश वर्मा, एवं मंडल अध्यक्ष डॉ प्रशांत चतुर्वेदी समस्त पार्टी पदाधिकारी पत्रकारगन एवं समाजसेवियों की उपस्थिति में कार्यक्रम संपन्न हुआ।

अपने उद्बोधन में विधायक श्री वर्मा ने कहा कि छात्र सोच समझकर विषय का चयन करें समय की महत्वता को समझें एवं परीक्षाओं में अछे अंक लाकर अपने माता-पिता गुरुजनों का नाम रोशन करें, कार्यक्रम में सभी वरिष्ठ लोगों ने समाजसेवियों ने भी अपने-अपने विचार रखें!

आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से क्षेत्रीय विधायक डॉ राजेश वर्मा एसके शर्मा पूर्व प्राचार्य, भाजपा वरिष्ठ नेता मस्तराम राजपूत, प्रदीप अवस्थी, उदय सिंह राजपूत, लल्लू लाल रावत, मुकेश चौबे, राजदीप गोस्वामी ,थाना प्रभारी महेंद्र सिंह भदोरिया, प्राचार्य मनीष रेज, आशीष खरे, इसी प्रकार शासकीय बालक उचतर माध्यमिक विद्यालय में सभी अतिथियों की उपस्थिति रही और कार्यक्रम का सफल मंच संचालन प्रचार सुरेंद्र द्विवेदी द्वारा किया गया.

कलेक्टर कोचरः अपनी जिंदगी का कोई लक्ष्य निर्धारित जरूर करें और कुछ बनकर दिखायें

छोटी जगह पर रहते हुये भी ऑनलाईन सीख कर अपना सपना पूरा कर सकते हो विद्यार्थियों ने की अपने भविष्य से भेंट

धीरज कुमार अहीरवाल। सिटी चीफ दमोह, जिंदगी में सबसे इंपोर्टेंट चीज़ है कुछ बनना, यदि आप कुछ नहीं बनोगे तो फिर आप इस जिंदगी में कुछ भी नहीं हो, इसलिए आपने देखा होगा कि आपके घर में अपने मम्मी-पापा से पूछे वह अपनी कहानी सुनाएंगे वे कहेंगे कि हमारे समय में हमें यह सब करने नहीं मिला है लेकिन ऐसा नहीं होना चाहिए कल बड़े होने के बाद आप भी ऐसा ही कहें इसलिए ईश्वर ने आपको मौका दिया है, अछा स्कूल दिया है, पढ़ने का अछा वातावरण दिया है। मेरा सभी से आग्रह यही है अपनी जिंदगी का कोई लक्ष्य निर्धारित जरूर करें और कुछ बन कर दिखायें। इस आशय के विचार कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने आज जिले के ग्राम खमरिया बिजौरा के शासकीय एकीकृत उचतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित भविष्य से भेंट कार्यक्रम में विद्यार्थियों के बीच व्यक्त किये। इस मौके पर कलेक्टर ने विद्यार्थियों से शैक्षणिक प्रश्न किये और विद्यार्थियों ने जबाव भी दिये। उन्होनें विद्यार्थियों की जिज्ञासाओं का पूर्ण समाधान किया। इस अवसर पर भावसींग मासाब सहित प्राचार्य और शिक्षकगण भी मौजूद थे। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने विद्यार्थियों से कहा हम लोग वर्तमान हैं, आप भविष्य हैं इसीलिए सरकार ने यह कहा था वर्तमान जो है, वह भविष्य से मिलने जाएगा। यानी भविष्य से भेंट मतलब हम आपसे मिलने के लिए आएंगे, इसलिए पूरे जिले में, प्रदेश में, हर स्कूल में कई अलग-अलग तरीके से लोग स्कूलों में विद्यार्थियों से मिलने के लिए जा रहे हैं, जो विद्यार्थियों को अलग-अलग टिप्स और मोटिवेट कर रहे हैं, स्कूलों में पढ़ा रहे है, इसका उद्देश्य एक ही था की हर स्कूल के विद्यार्थी सपने देखना सीखें।

कलेक्टर ने विद्यार्थियों से कहा उनको अपनी जिंदगी में आगे बढ़ना है, वे कहां रहते हैं, किस परिस्थिति में रहते हैं, किस परिवार के हैं, उनकी आर्थिक स्थिति कैसी है, उनकी सामाजिक स्थिति कैसी है यह सभी कुछ भी मायने नहीं रखता है, मायने रखता है सपना की मैंने क्या सपना देखा। केवल सपने देखने से काम नहीं होता है क्योंकि यदि ऐसा होता तो हर आदमी का कोई भी सपना पूरा हो जाता, लेकिन इतनी आसानी से सपने पूरे नहीं होते है। सपना पूरा करने के लिए सपना यदि आप आसमान का देखते हो तो आपके पैर जमीन पर रहना जरूरी है, आप सपना देख रहे हो उसको पाने के लिए आपको बहुत तैयारियां करनी पड़ती है।

कलेक्टर ने कहा हमने जो सपना देखा है अपनी जिंदगी के लिए, क्या वह सपना पूरा करने की ताकत हमारे अंदर है भी या नहीं, ऐसा तो नहीं कि हम बनना चाहते थे डॉक्टर लेकिन हमने इंजीनियरिंग का सपना देख लिया, तो सपना इस चीज का देखिए जो हम कर सकते हैं जिस पर हमारी रुचि है, जो हमारी समझ के अंदर हैं, जो हम करने के लिए सक्षम है और दूसरी चीज उस सपने को पूरा करने के लिए पूरी ताकत लगाना पड़ेगी, तब जाकर यह सपना पूरा हो सकता है।

राशन माफियाओ के खिलाफ निकाली शहर में रैली

अनिश्चित कालीन धरने पर बैठने का दिया अल्टीमेटम

कुलदीप गुप्ता । सिटी चीफ शिवपुरी, शिवपुरी शहर में आज राशन माफियाओं के खिलाफ पिछोर के जिला पंचायत सदस्य मनीराम लोधी ने अपने समर्थकों के साथ रैली निकाल कर विरोध प्रदर्शन किया ।राशन में भ्रष्टाचार के खिलाफ इस रैली की शुरुआत आज जिला पंचायत सदस्य मनीराम लोधी ने पिछोर से की थी जिसमें पिछोर विधानसभा के सैकड़ों लोग बाइक और कार में सवार होकर शिवपुरी के पुराने बस स्टैंड पहुंचे और ज्ञापन के माध्यम से कम राशन का भुगतान करने वाले संबंधित विभाग के भ्रष्ट अधिकारियों को दंडित करने की मांग की गई है। ऐसे में जल्द ही राशन माफियाओं और भ्रष्ट अधिकारियों पर कार्रवाई न होने पर अनिश्चित कालीन धरने पर बैठने का भी अल्टीमेटम दिया गया हैं।

आमजन से पाँच रूपये के सिक्के और नोट को नहीं स्वीकार ने पर कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा

वैधानिक मुद्रा को चलन में बनाये रखने के लिये प्रशासन और शासन का सहयोग करें

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ ।

दमोह, जिला प्रशासन को इस बात की शिकायत मिली थी कि जिले में एक रूपये और दो रूपये के सिक्के और पाँच रूपये के सिक्के और नोट को आम चलन में स्वीकार नहीं किया जा रहा है। कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने सभी आमजन का ध्यान रिजर्व बैंक और भारत सरकार की गाईडलाईन की तरफ आकर्षित कराया है, जिसके अनुसार कोई भी व्यक्ति वैध सिक्के या नोट को स्वीकार नहीं करता है, तो यह मुद्रा का अनादरण माना जाता है, इसमें संबंधितों के खिलाफ कार्यवाही की जा सकती है। जिलाधीश ने जिले के समस्त व्यापारीगणों, व्यापारी संगठनों से आग्रह करते हुए कहा सरकार की वैधानिक मुद्रा का अनादरण बिल्कुल ना करें और ग्राहकों से सिक्के स्वीकार करें, उन सिक्कों का विनिमय करते रहें, उसमें किसी प्रकार से इंकार न करें की सिक्के यहां पर स्वीकार नहीं किए जाएंगे, उनके बदले में चॉकलेट, टॉफी या अन्य चीजें ना दें। उन्होंने कहा है सभी बैंकों को निर्देश दिए गए हैं, सभी बैंकों से यह कहा गया है कि सभी बैंक अपने यहां पर एक बैनर लगाएंगे जिसमें वह साफ-साफ स्पष्ट करेंगे की 1 रूपये, 2 रूपये, 5 रूपये और 10 रूपये के सिक्के और 5 रूपये के नोट यहां स्वीकार किए जाते हैं। यदि व्यापारी भाई-बहन और कोई अन्य व्यक्ति बैंकों में सिक्के लेकर के जाते हैं, तो बैंकर्स को यह निर्देश दिए गए हैं कि वह अनिवार्य रूप से स्वीकार करेंगे और जब बैंकर्स इन्हें स्वीकार करेंगे तो मुद्रा के चलन में बने रहने में सहायक साबित होगा। सभी बैंकों को भी निर्देश दिए गए हैं, इस बारे में जो बैंकों में निर्देश पेस्ट कराये हैं उन्हें सोशल मीडिया के माध्यम से आप तक पहुंचायेंगे। उन्होंने सभी से आग्रह करते हुए कहा जो हमारी वैधानिक मुद्रा है उसको चलन में बनाए रखने के लिए प्रशासन और शासन का सहयोग करें। कलेक्टर ने कहा उम्मीद है कि आप सभी मेरी इस अपील पर ध्यान देंगे और हमारी मुद्रा को चलन में बनाकर रखेंगे।

जनसंपर्क अधिकारी वाई.ए.कुरैशी ने विद्यार्थियों से कहा लक्ष्य तय कर आगे बढ़ें

लक्ष्य लेकर चलने वाला व्यक्ति जीवन में सफलता की ऊचाईयां पा लेता है

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, स्कूल चलें हम अभियान के तहत भविष्य से भेंट कार्यक्रम अंतर्गत जनसंपर्क अधिकारी वाई.ए.कुरैशी ने आज शासकीय हाई स्कूल बकायन के विद्यार्थियों से जीवन में सफलता कैसे हासिल होती है, के बारे में अनेक उदाहरण देते हुये आगे बढ़ने प्रेरित किया। जनसंपर्क अधिकारी वाई.ए. कुरैशी ने कहा लक्ष्य तय कर आगे बढ़ें और अपना कानसेप्ट क्लीयर रखें। लक्ष्य लेकर चलने वाला व्यक्ति जीवन में सफलता की ऊचाईयों को पा लेता है। इस अवसर पर शासकीय हाई स्कूल बकायन के प्राचार्य एवं शिक्षकगण मौजूद थे।

ग्वालियर में दुकान मकान में लगी आग

पिता, दो बेटी सहित 3 की दुःखद मौत

अरविंद सिंह पवैया । सिटी चीफ ।

ग्वालियर, ग्वालियर में बहोड़ापुर संत कृपालसिंह आश्रम के सामने कैलाशनगर में दुकान मकान में लगी आग में गृहस्वामी विजय गुप्ता बंटी, उनकी 2 बेटियां अंशिका, यशिका की मौत। पत्नी श्री मती सुमन बेटा वंश गुप्ता के साथ मायके में होने से बची मां के साथ मां मायका नाना जी के पास होने से बचे ,मकान चारो तरफ से पेक था ,पीछे का दरवाजा लाइफ लाइन था,लेकिन अलमारी रखी थी आग की घुटन से हटा नही पाए तीनों अलमारी के पास ही मिले यदि अलमारी नही होती ,या दरवाजा खुला होता तो तीनों सुरछित रहते फायर ब्रिगेड की गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू किया प पर काबू किया।

इंडियन कौंसिल ऑफ प्रेस ने मध्य प्रदेश की कार्यकारिणी में किया बदलाव

जिला अध्यक्ष राकेश अग्रवाल को प्रदेश चलाने की मिली बड़ी जिम्मेदारी

श्री निवास मिश्रा । सिटी चीफ ।

मैहर, मध्य प्रदेश, इंडियन कौंसिल ऑफ़ प्रेस संगठन के विस्तार को लेकर काफी सक्रिय भूमिका निभा रहा है। जिसमें से कई रायों में संचालित प्रदेश कार्यकारिणी के प्रदेश अध्यक्षों की निष्क्रियता को देखते हुए काफी बदलाव किए जा रहे हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष सूर्य नारायण विश्वकर्मा जी के निर्देशन में मध्य प्रदेश प्रभारी कुलदीप वर्मा एवं राष्ट्रीय सचिव मुकेश विश्वकर्मा के नेतृत्व में मध्य प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष धीरज अहीरवाल से प्रदेश के विस्तार से संबंधित चाही गई जानकारी संतोसजनक प्राप्त न होने अथवा विगत वर्षों के कार्यकाल से उनके कार्य क्षेत्र में निष्क्रियता साबित होने से राष्ट्रीय कोर कमेटी द्वारा लिए गए निर्णय पर आज दिनांक 20 जून 2024 को प्रदेश अध्यक्ष धीरज अहिरवाल को पदमुक्त करते हुए वर्तमान जिला अध्यक्ष मैहर राकेश अग्रवाल को मध्य प्रदेश का प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया। नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष संगठन के विस्तार को लेकर काफी सक्रिय रहते हैं। इन्होंने संगठन के विस्तार के लिए सिर्फ अपने जिले में ही नहीं बल्कि अन्य जिलों के साथ-साथ अन्य रायों में भी कार्यकारिणी गठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। लेकिन राकेश अग्रवाल को जिले से उठाकर प्रदेश का दायित्व सौपना एक बहुत बड़ा चैलेंज है अब देखना यह होगा कि प्रदेश के विस्तार में इनकी क्या भूमिका रहती है अथवा इन्हें राष्ट्रीय नेतृत्व का सहयोग प्राप्त होता है कि नहीं। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष धीरज अहीरवाल संगठन में रहेंगे अथवा बाहर सुप्रीम कमेटी के निर्णय का इंतजार

पूर्व प्रदेश अध्यक्ष थाम सकते हैं दूसरे संगठन का दामन

-सूत्र प्रदेश अध्यक्ष धीरज अहिरवाल को पदमुक्त किए जाने के बाद अब देखना यह होगा कि संगठन पूर्व प्रदेश अध्यक्ष को उच पदों में जगह देगा अथवा संगठन से बाहर कर सकता है यह निर्णय उच कोर कमेटी द्वारा लिए गए निर्णय पर आधारित है। लेकिन सूत्र यह भी बताते हैं कि पूर्व प्रदेश अध्यक्ष धीरज अहिरवाल अतिशीघ्र ही इंडियन कौंसिल ऑफ प्रेस का दामन छोड़कर अन्य संगठन में शामिल हो सकते हैं।

सहारनपुर जनपद में भव्यता से मनाया जाएगा योग दिवस

कम्पनी बाग में सुबह 06 से 08 बजे तक आयोजित होगा सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, 21 जून 2024 को दशम अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस की थीम योग स्वयं और समाज के लिए घोषित की गयी है। इस अवसर पर कम्पनी बाग में 21 जून को प्रातः 06:00 बजे से 08:00 बजे तक सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन एवं नोडल अधिकारी योग दिवस डॉ0 अर्चना द्विवेदी ने बताया कि मंत्री उच शिक्षा विभाग उत्तर प्रदेश योगेन्द्र उपाध्याय जी कम्पनी बाग में आयोजित होने वाले सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे।

डॉ0 अर्चना द्विवेदी ने बताया कि सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम में गणमान्य व्यक्तियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा भाग लिया जाएगा। उन्होने समस्त अधिकारियों को अपने अधिनस्थों के साथ कार्यक्रम में उपस्थित होने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि जनपद के समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, हेल्थ एण्ड वेलनेस सेण्टरों पर भी योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। समस्त पुलिस थाने, पुलिस लाइन, पीएसी बटालियन, एनसीसी, एनएसएस, स्काउट गाइड एवं प्रान्तीय रक्षा दल को भी योगाभ्यास कार्यक्रम में सम्मिलित किया जाएगा। प्राथमिक, माध्यमिक एवं उचतर प्राथमिक विद्यालयों, तकनीकी शिक्षण संस्थानों में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

नोडल अधिकारी ने बताया कि जिस संस्था, कॉलेज, विभाग, ग्राम पंचायत आदि द्वारा योग कार्यक्रम के अन्तर्गत सर्वाधिक योगाभ्यासियों को प्रतिभाग कराया जाएगा उनको प्रोत्साहित करने के लिए सर्टिफिकेट प्रदान किए जाएंगे। उन्होने निर्देश दिए कि समस्त कार्यक्रमों के आयोजन में समयबद्धता एवं स्वछता का विशेष ध्यान रखा जाए।

जिलाधिकारी ने किया निर्माणाधीन सरसावा सिविल टर्मिनल का निरीक्षण

तीन माह उपरान्त कार्य की संतोषजनक प्रगति न पाए जाने पर जिलाधिकारी ने व्यक्त की कड़ी नाराजगी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चन्द्र ने शासन के उच निर्देशों के क्रम में सरसावा में सिविल टर्मिनल के चल रहे निर्माण कार्यों की प्रगति का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान पाया गया कि लोक निर्माण विभाग, विद्युत विभाग एवं भूगर्भ विभाग ने अपना कार्य पूर्ण कर लिया है लेकिन टर्मिनल के निर्माण हेतु नामित कार्यदायी संस्था द्वारा कार्य में लापरवाही बरती गयी है। तीन माह पूर्व कार्यदायी संस्था द्वारा यह आश्वस्त किया गया था कि माह मार्च में कार्य को पूर्ण कर दिया जाएगा। लेकिन अभी तक कार्य के पूर्ण न होने पर जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र ने सख्त नाराजगी व्यक्त करते हुए अतिरिक्त श्रमिक लगाकर कार्य को यथाशीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कार्य में बरती गई ढिलाई के बारे में शासन को अवगत कराते हुए संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, उपजिलाधिकारी सदर श्रीमती संगीता राघव सहित कार्यदायी संस्था के पदाधिकारी एवं संबंधित विभाग के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पृथक पश्चिम प्रदेश के निर्माण का आंदोलन अब होगा तेज :- भगत सिंह वर्मा

उन्नति की दृष्टि से उत्तर प्रदेश को चार भागों में बांटा जाए :- भगत सिंह वर्मा

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

बेहट । सहारनपुर, भारतीय किसान यूनियन वर्मा व पश्चिम प्रदेश मुक्ति मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगत सिंह वर्मा ने बेहट में समाजसेवी हाजी एहसान कुरैशी के प्रतिष्ठान पर आयोजित बैठक में पृथक पश्चिम प्रदेश के निर्माण के आंदोलन को अब तेज करने के लिए विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की उन्नति के लिए उत्तर प्रदेश को चार भागों में बांटना जरूरी है। उत्तर प्रदेश देश ही नहीं दुनिया का सबसे बड़ा राय है। उत्तर प्रदेश की जनसंख्या 25 करोड़ है। जबकि यूनाइटेड स्टेट अमेरिका की जनसंख्या 34 करोड़ है और वहां 50 राय हैं। भगत सिंह वर्मा ने कहा कि उत्तर प्रदेश को चार भागों में बांटकर पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 26 जिलों को मिलाकर पृथक पश्चिम प्रदेश का निर्माण जरूरी है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश की 8 करोड़ जनता की लखनऊ में घोर उपेक्षा की जा रही है यहां शिक्षा और चिकित्सा काफी निम्न स्तर की है और यहां के शिक्षित युवाओं को प्रदेश की सरकारी नौकरी में मात्र दो प्रतिशत हिस्सेदारी क्लास वन में है और क्लास 2-3-4 में मात्र 6त्न है जबकि यहां की भागीदारी कम से कम 32त्न होनी चाहिए। बड़ा राय होने के कारण यहां प्रति व्यक्ति वार्षिक आय बिहार के बराबर हो गई है और देश में सबसे कम है जिस दिन पश्चिम प्रदेश का निर्माण होगा उस दिन यहां प्रति व्यक्ति वर्षिक देश ही नहीं दुनिया में सबसे अधिक कतर देश से भी अधिक होगी और यहां शिक्षा और चिकित्सा अंतरराष्ट्रीय स्तर की होगी और निःशुल्क होगी और यहां के शिक्षित युवाओं को सरकारी नौकरी में पूर्ण भागीदारी होगी। पृथक राय की चर्चा के दौरान समाजसेवी हाजी एहसान

सहारनपुर में छुटमलपुर में मातृशक्ति संग सामूहिक योगाभ्यास किया गया

योग संस्कार, शिक्षा व मानव जीवन में धर्म के स्वरूप और महत्व पर प्रकाश डाला गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, भारत सरकार द्वारा देश के अग्रणी योग संस्थानों में अंकित मोक्षायतन योग संस्थान की योग दिवस से पूर्व 100 दिन योग श्रृंखला के अन्तर्गत योग शिविरों की श्रृंखला में छुटमलपुर में मन्केश्वर महादेव मन्दिर में मातृशक्ति संग सामूहिक योगाभ्यास किया गया। शंख ध्वनि के साथ शिविर का प्रारम्भ किया गया। योग संस्कार शिक्षा व मानव जीवन में धर्म के स्वरूप और महत्व पर प्रकाश डाला। शिविर के प्रतिभागी उस घड़ी अत्यन्त प्रसन्न हुए जब योग के आध्यात्मिक रूप को जीवन में धारण करने की प्रेरणा दी गई और परिवारों का विघटन रोकनें में धर्म के पहले लक्षण धृति के महत्व को समझाया गया। संस्थान की साधिका योगाचार्या अनिता शर्मा ने कहा कि संस्थान द्वारा प्रतिदिन भिन्न-भिन्न स्थलों पर योग के द्वारा शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक, चेतना जागृति का अभियान चलाया जा रहा है। शिविर में मौजूद लोगों ने सात्विक आहार व संस्कारवान जीवन अपनाने का भी संकल्प लिया। योग प्रशिक्षिका माला शर्मा ने बताया कि गुरुदेव स्वामी भारत भूषण की प्रेरणा पर चलाये जा रहे योग संस्कार भिक्षा अभियान के पाँच संकल्पों की शपथ का यह अभियान निरंतर जारी रहेगा। उन्होंने वातजन्य रोगों से बचाव के लिये सूक्ष्म व्यायाम की महत्ता पर प्रकाश डाला कि कैसे हम सामान्य अभ्यास से असहनीय पीडा से

कलेक्टर ने सिकल सेल स्क्रीनिंग, सीएचसी फुनगा, सीएम राईज बदरा का औचक निरीक्षण कर लिया जायजा

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को दिए व्यवस्थाओं के संबंध में निर्देश

अनूपपुर कलेक्टर श्री आशीष वशिष्ठ ने जिले में चलाए जा रहे सिकल सेल स्क्रीनिंग कार्य का शिविर स्थल बरबसपुर, पसला एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र फुनगा पहुंचकर निरीक्षण कर जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी एवं मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने सिकल सेल स्क्रीनिंग शिविर में सिकल सेल के जांच के संबंध में समीक्षा करते हुए ज्यादा से ज्यादा लोगों की जांच के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सिकल सेल पॉजिटिव केस के मामलों में पीओसी किट से जांच कर पॉजिटिव स्क्रीनिंग को कन्फर्म करें। उन्होंने पॉजिटिव मरीजों के उपचार तथा दवाईयों के प्रदाय के संबंध में निर्देश दिए।

फुनगा सीएचसी के जनरल वार्ड का कलेक्टर ने किया निरीक्षण कलेक्टर श्री आशीष वशिष्ठ ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र फुनगा के जनरल वार्ड का आकस्मिक निरीक्षण किया तथा भर्ती मरीजों से स्वास्थ्य संबंधी जानकारी लेते हुए उन्हें प्रदाय चिकित्सा सुविधाओं के संबंध में पूछताछ की। उन्होंने मौके पर स्वास्थ्य अधिकारियों को मरीजों के बेहतर ईलाज तथा दवाईयों की उपलब्धता के संबंध में निर्देश दिए। भ्रमण के दौरान सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र फुनगा में स्थित जर्जर भवन को डिस्मेंटल करने के संबंध में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

सीएम राईज बदरा का लिया औचक जायजा अनूपपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बदरा में संचालित सीएम राईज स्कूल का कलेक्टर श्री आशीष वशिष्ठ ने औचक निरीक्षण करते हुए जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिला शिक्षा अधिकारी तथा विद्यालय के शिक्षक उपस्थित थे। कलेक्टर ने सीएम राईज बदरा का निरीक्षण करते हुए जिला खनिज प्रतिष्ठान मद से निर्मित कराए जा रहे दो कमरे के लैब भवन के निर्माण कार्यों की कार्यपूर्णता के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यार्थियों से चर्चा करते हुए पुस्तकों के वितरण तथा शिक्षा संबंधी जानकारी ली। उन्होंने विद्यार्थियों को सिलेबस के अनुसार शैक्षणिक सत्र के प्रारंभ से ही आवश्यक तैयारियों के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सत्र के प्रारंभ से विद्यार्थी लगन और मेहनत के साथ अगर पढ़ाई की तैयारी सुनिश्चित करेंगे तो उन्हें परीक्षा के समय में किसी तरह की कठिनाई का सामना नही करना पड़ेगा। उन्होंने विद्यार्थियों को विकासखण्ड स्तर पर संचालित नीट एवं जेईई के निःशुल्क कोचिंग संचालन की जानकारी देते हुए बच्चों को निःशुल्क कोचिंग का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

डोंगरियाकला ग्राम में कलेक्टर ने देखी पैडी ट्रांसप्लांटर से बुवाई कृषि की उन्नत तकनीक से कृषकों को अवगत कराने दिए निर्देश कलेक्टर श्री आशीष वशिष्ठ ने कोतमा विकासखण्ड के ग्राम डोंगरियाकला में कृषि विभाग के कृषि तकनीकी विस्तार कार्यक्रम के तहत कृषकों को नवीन कृषि तकनीक फसलों की नवीन किस्मों संतुलित उर्वरक उपयोग, लाईन में सूखी बुवाई, पैडी ट्रांसप्लांटर से बुवाई तकनीक से धान की विभिन्न सुगंधित किस्मों की बुवाई के प्रयोग की आधारभूत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कृषकों से चर्चा करते हुए कृषि योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि कृषि की उन्नत तकनीक, उत्पादन व कृषि से आय में वृद्धि संबंधी निःशुल्क सलाह कृषकों को दिए जाने के संबंध में कृषि विभाग द्वारा कार्य किया जाता है। जिसका लाभ कृषकों को प्राप्त करना चाहिए। उन्होंने कृषि अधिकारियों को नवीन उन्नत तकनीक की जानकारी चौपाल लगाकर किसानों को प्रदान करने के संबंध में निर्देश दिए तथा मैदानी भ्रमण कर किसानों को आवश्यक तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान करने के निर्देश दिए। कृषि अधिकारियों ने किसानों को उन्नत बीज के उपयोग तथा धान बीज में नमक घोल उपचार के संबंध में जानकारी दी।

नैंसी पेलोसी ने दलाई लामा के बाद मोदी से की मुलाकात, तिलमिलाए चीन ने दी धमकी

इंटरनेशनल डेस्क: अमेरिका की पूर्व हाउस स्पीकर नैंसी पेलोसी तिब्बत में धर्मगुरु दलाई लामा से मिलने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकाच की। इससे पहले गुरुवार को तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा अमेरिकी डेलीगेशन से मिले। मोदी और अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के बीच इस मुलाकात के कई मायने समझे जा रहे हैं। ऐसा पहली बार है जब किसी विदेशी प्रतिनिधिमंडल ने भारत में आकर तिब्बत के समर्थन में आवाज उठाई है। हालांकि नैंसी इससे पहले मई 2017 में भी दलाई लामा से मिलने भारत आई थीं। ब नैंसी पेलोसी किसी डेलीगेशन के साथ भारत दौरे पर नहीं आई थीं। बता दें कि भारत, तिब्बत को चीन का हिस्सा मानता है और इसे लेकर टिप्पणी करने से परहेज करता रहा है। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का ये दौरा आधिकारिक है या नहीं इसे लेकर अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

बुधवार को अमेरिकी प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि अमेरिका, चीन को दलाई लामा के 'उत्तराधिकार' मामले में हस्तक्षेप की इजाजत नहीं देगा। दरअसल, चीन तिब्बती धर्मगुरु के सर्वोच्च पद पर अपने 'दलाई लामा' को बैठाना चाहता है। इससे पहले बुधवार को अमेरिकी प्रतिनिधिनंडल ने धर्मशाला में धर्मगुरु लगाई लामा से मुलाकात की थी। इस प्रतिनिधिमंडल में नैंसी पेलोसी के अलावा सांसद माइकल मैकॉल समेत 5 अन्य सांसद हैं। ये सांसद रिपब्लिकन और डेमोक्रेट्स दोनों ही पार्टियों से हैं। इस डेलीगेशन का नेतृत्व रिपब्लिकन सांसद माइकल मैकॉल कर रहे हैं। माइकल मैकॉल ने कहा कि इस सप्ताह उन्हें चीनी कम्युनिस्ट पार्टी ने एक लेटर लिखा था जिसमें हमें यहां न आने की धमकी दी गई थी। लेकिन हमें उनकी धमकियों की परवाह नहीं है। अमेरिका, तिब्बत को हमेशा की तरह एक शक्तिशाली ताकत बने रहने में मदद करेगा। डेलीगेशन ने कहा कि वे दलाई लामा और चीनी सरकार के बीच बातीचत का अवसर तलाश रहे हैं। उन्हें उम्मीद है कि तिब्बत और चीन के बीच एक शांतिपूर्ण समाधान निकलेगा। अमेरिका में 12 जून को तिब्बत से जुड़ा एक बिल 'द रिजोल्व तिब्बत एक्ट' पास किया गया था। इस पर फिलहाल जो बाइडेन के दस्तखत होने बाकी हैं। इस एक्ट तिब्बत का समर्थन करता है और चीन और दलाई लामा के बीच बिना किसी शर्त के बातचीत बढ़ाने के पक्ष में है। इस बिल को लेकर अप्रैल में चीन की प्रतिक्रिया आई थी। चीन ने कहा कि दलाई लामा अलगावादी हैं और अमेरिका को उनके चीन विरोधी रवैये को पहचानना चाहिए। चीन ने चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर अमेरिका, शीजांग (तिब्बत) को चीन का हिस्सा ना मानते हुए, अपने ही पुराने वादे से पीछे हटेगा तो चीन उसका कड़े अंदाज में जवाब देगा। चीन और तिब्बत के बीच विवाद बरसों पुराना है। चीन, तिब्बत को अपना 'शीजांग' प्रांत बताता है। चीन के मुताबिक तिब्बत तेरहवीं शताब्दी से ही चीन का हिस्सा रहा है इसलिए तिब्बत पर उसका हक है। हालांकि तिब्बत चीन के इस दावे को खारिज करता है।

आर्थिक तंगी से जूझ रही मां ने 5 साल की बेटी के साथ कुएं में कूदकर दी जान

नेशनल डेस्क- महाराष्ट्र के लातूर जिले के निलंगा तहसील के मालेगांव में एक दिल तोड़ने वाला मामला सामने आया है। आर्थिक तंगी से जूझ रही एक महिला ने अपनी 5 साल की बेटी के साथ कुएं में कूदकर आत्महत्या कर ली।

सीबीएसई स्कूल में बच्चों को पढ़ाना चाहती थी महिला

मृतक महिला भाग्यश्री अपने बच्चों को सेंट्रल बोर्ड ऑफ़ सेकेंडरी एजुकेशन से मान्यता प्राप्त स्कूल में पढ़ाना चाहती थी, लेकिन उनकी आर्थिक स्थिति इसके अनुकूल नहीं थी। परिवार का जीवनयापन मुख्य रूप से बकरियां चराने और डेढ़ एकड़ जमीन पर निर्भर था, जो उनकी जरूरतें पूरी करने के लिए पर्याप्त नहीं था। इस कारण भाग्यश्री मानसिक रूप से काफी तनाव में थी।

वीडियो कॉल पर पति से की आखिरी बात

मंगलवार की शाम भाग्यश्री अपनी बेटी को लेकर एक किसान के कुएं पर गई। वहां से उसने अपने पति वेंकट हाल्से को वीडियो कॉल किया और उसे आखिरी बार बेटी का चेहरा दिखाया। इसके बाद, भाग्यश्री ने अपनी बेटी के साथ कुएं में छलांग लगा दी।

बेटे की बची जान

भाग्यश्री ने अपने बेटे को भी साथ ले जाने की कोशिश की थी, लेकिन खेलते समय उसका पैर फिसल गया और वह बच गया।

पुलिस जांच में जुटी

घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय निवासियों और पुलिस ने मिलकर मां-बेटी के शवों को कुएं से बाहर निकाला। पुलिस ने आकस्मिक मौत की रिपोर्ट दर्ज कर ली है और आगे की जांच जारी है। परिवार और गांव के लोग इस घटना से गहरे सदमे में हैं। यह घटना न सिर्फ परिवार की आर्थिक स्थिति को उजागर करती है, बल्कि समाज में मानसिक स्वास्थ्य और आर्थिक सहायता की आवश्यकता पर भी ध्यान केंद्रित करती है।

भारतीयों के लिए ताइवान जाना होगा आसान,वीजा ऑन अराइवल की हो रही तैयारी

इंटरनेशनल डेस्क- ताइवान भारतीयों कोवीजा ऑन अराइवल देने की तैयारी कर रहा है । उप विदेश मंत्री तियेन चंग-क्वांग ने कहा कि ताइवान भारतीय यात्रियों को वीजा ऑन अराइवल की सुविधा देने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि वीजा प्रक्रिया सरल करने का उद्देश्य भारत से संबंधों को मजबूत करना और भारतीयों को ताइवान आने के लिए प्रोत्साहित करना है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय बड़ी संख्या में यात्रा करते हैं इसलिए हम लुक ईस्ट पॉलिसी के तहत वीजा ऑन अराइवल पर सक्रियता से विचार कर रहे हैं। ताइपे में मंगलवार को संवाददाताओं से बात करते हुए ताइवान के उप विदेश मंत्री क्वांग ने कहा कि वीजा ऑन अराइवल पर निर्णय लेने से पहले हमें ताइवान के आव्रजन विभाग से प्रस्ताव को लेकर आंतरिक चर्चा की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय बड़ी संख्या में यात्रा करते हैं, इसलिए हम वीजा ऑन अराइवल पर सक्रियता से विचार कर रहे हैं। उप विदेश मंत्री ने कहा कि हम भारत के साथ सुविधाजनक पर्यटन और व्यापारिक यात्राओं को बढ़ावा देना चाहते हैं। उन्होंने याद दिलाया कि जब भारत ने 1991 की शुरुआत मेंलुक ईस्ट पॉलिसी की पहल की तो और ताइवान और भारत दोनों ने वीजा प्रतिबंधों को ढीला कर दिया था। मालूम हो कि यह बदलाव तब आया है जब ताइवान के उप विदेश मंत्री ने राष्ट्रपति लाई चिंग-ते और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच संदेशों के आदान-प्रदान पर चीन के एतराज को मजबूती से खारिज कर दिया। उल्लेखनीय है कि चीन ताइवान को अपना एक प्रांत बताते हुए दावा करता है।

योग शरीर, मन और बुद्धि को स्वस्थ रखने की भारतीय जीवन पद्धति है अमित शाह ने देशवासियों को दी योग दिवस की शुभकामनाएं

नई दिल्ली- केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मौके पर शुक्रवार को देशवासियों को शुभकामनाएं दी। श्री शाह ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, ''अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएं! योग शरीर, मन और बुद्धि को स्वस्थ रखने की भारतीय जीवन पद्धति है। इसका नियमित अभ्यास न सिर्फ मनुष्य को ऊर्जासंपन्न बनाता है, बल्कि उनमें सकारात्मक चेतना का विकास भी करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने इस प्राचीन भारतीय धरोहर को 'अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में विश्वव्यापी बनाने का ऐतिहासिक कार्य किया है। आइए, इस योग दिवस पर योग को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने का संकल्प लें।

पीएम मोदी ने भी योग दिवस पर देशवासियों को दी शुभकामनाएं

वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं और कहा कि आज पूरी दुनिया में योग करने वालों की संख्या निरंतर बढ़ रही है और योग के प्रति लोगों का आकर्षण भी लगातार बढ़ रहा है। मोदी ने यहां के शेर-ए-कश्मीर इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस सेंटर (एसकेआईसीसी) में 10वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित मुख्य समारोह का नेतृत्व किया। उन्होंने अपने संबोधन में कहा, ''अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मुझे योग और साधना की भूमि कश्मीर में आने का सौभाग्य मिला है। योग से हमें जो शक्ति मिलती है श्रीनगर में हम उसे महसूस कर रहे हैं। मैं देश के सभी लोगों को और दुनिया के कोने-कोने में योग कर रहे लोगों को कश्मीर की धरती से अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की बधाई देता हूं।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 10 वर्ष की ऐतिहासिक यात्रा पूरी कर चुका है- PM

प्रधानमंत्री ने कहा कि साल 2014 में उन्होंने संयुक्त राष्ट्र में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का प्रस्ताव रखा था और भारत के इस प्रस्ताव का 177 देशों ने समर्थन किया था जो कि अपने आप में एक रिकॉर्ड था।

उन्होंने कहा, ''तब से योग दिवस लगातार नए रिकॉर्ड बनाता जा रहा है। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 10 वर्ष की ऐतिहासिक यात्रा पूरी कर चुका है। आज पूरी दुनिया में योग करने वालों की संख्या निरंतर बढ़ रही है और योग के प्रति लोगों का आकर्षण भी लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि आज पूरी दुनिया योग को सबकी भलाई की शक्ति के रूप में देख रही है। मोदी ने कहा कि पूरे जम्मू-कश्मीर में योग के प्रति जो आकर्षण बना है, जिस उमंग और उत्साह के साथ लोग योग के साथ जुड़ने के लिए आतुर हैं, वह जम्मू कश्मीर के पर्यटन को भी एक नई ताकत देने का अवसर बन गया है। अपने संबोधन के बाद प्रधानमंत्री ने सामूहिक योगाभ्यास में हिस्सा भी लिया। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के तौर पर मनाए जाने की घोषणा दिसंबर 2014 में की थी। दिसंबर 2014 में संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग दिवस का प्रस्ताव प्रधानमंत्री मोदी की पहल पर आया था और इसे सर्वसम्मति से पारित किया गया था।

प्रधानमंत्री साल 2015 से हर साल योग दिवस पर आयोजित समारोहों का नेतृत्व करते रहे हैं। उन्होंने दिल्ली, चंडीगढ़, देहरादून, रांची, लखनऊ, मैसूर और यहां तक कि न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय सहित विभिन्न प्रतिष्ठित स्थानों पर योग दिवस समारोहों का नेतृत्व किया है। इस वर्ष अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का मुख्य विषय 'स्वयं और समाज के लिए योग है। भारत सहित दुनिया भर में 21 जून को योग दिवस मनाया जाता है और लोग इसमें बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं।

आरक्षण पर पटना हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देगी बिहार सरकार: सम्राट चौधरी

पटना- बिहार सरकार राज्य में दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों और अति पिछड़ों का आरक्षण 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत करने संबंधी कानून को रद्द करने के पटना उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में अपील करेगी।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने गुरुवार को पटना उच्च न्यायालय का फैसला आने के बाद कहा कि बिहार में सरकारी सेवाओं और शैक्षणिक संस्थानों में एससी, एसटी, ओबीसी और ईबीसी के लिए आरक्षण 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 65 प्रतिशत किए जाने वाले कानून को रद्द करने के पटना उच्च न्यायालय के फैसले को बिहार सरकार सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती देगी।

वंचितों और पिछड़ों को न्याय दिलाने के लिए NDA सरकार प्रतिबद्ध

सम्राट चौधरी ने कहा कि नीतीश सरकार ने राज्य में सामाजिक-आर्थिक जातिगत सर्वेक्षण कराने का अच्छा निर्णय लिया था। उसके निष्कर्षों के आधार पर ही समाज के वंचित और पिछड़े वर्गों के लिए आरक्षण का दायरा बढ़ाया था। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की सरकार वंचितों और पिछड़ों को न्याय दिलाने के लिए प्रतिबद्ध है। जो लोग विकास के मामले में पिछड़ गए हैं, उन्हें न्याय सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए जाएंगे।

पाकिस्तान में इमरान खान के राजनीतिक सलाहकार का लाहौर में अपहरण

इंटरनेशनल डेस्क: पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के राजनीतिक सलाहकार का पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर से अज्ञात लोगों ने कथित तौर पर अपहरण कर लिया है। मीडिया में आई खबरों में बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी गई। 'एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने खबर दी है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेता शाहबाज गिल के बड़े भाई गुलाम शब्बीर का दो दिन पहले अज्ञात व्यक्तियों ने उस समय अपहरण कर लिया जब वह इस्लामाबाद जा रहे थे। इस बाबत कान्हा थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है। प्राथमिकी उनके बेटे बिलाल ने दर्ज कराई है जिसमें कहा गया है कि शब्बीर देर रात लाहौर के खयाबन-ए-अमीन स्थित अपने घर से निकले और इस्लामाबाद की ओर चल दिए। इस

बारे में और कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है। पीटीआई पार्टी के 71 वर्षीय संस्थापक खान पिछले साल अगस्त से जेल में हैं जब उन्हें कुछ मामलों में दोषी करार दिया गया था। उनके खिलाफ करीब 200 मामले दर्ज हैं।

इस साल सबसे ज्यादा 1.75 लाख भारतीय पहुंचे मक्का

हजारों में पहुंची मरने वाले जायरीनो की संख्या,अब कैसे होगा अंतिम संस्कार

रियाद: सऊदी अरब हज के लिए पहुंचे यात्रियों की गर्मी की वजह से मौतों का आंकड़ा बढ़ता जा रहा है। मक्का में दम तोड़ने वाले जायरीनो की संख्या अब हजारों में पहुंच गई है। मृतकों में ईरान, भारत, इंडोनेशिया, मिस्र, ट्यूनीशिया के नागरिक शामिल हैं। इस साल 1.75 लाख भारतीय गए हैं और मृतकों में सबसे ज्यादा संख्या मिस्र के लोगों की है। अलग-अलग देशों के आंकड़ों के आधार पर यह जानकारी दी गई है ।

अरब राजनायिक ने बताया कि मरने वालों में करीब 658 हाजी अकेले मिस्र के हैं वहीं 1400 लोग अब भी लापता हैं। हालांकि सऊदी अरब की तरह से अब तक मरने वालों की संख्या को लेकर कोई पुष्टि नहीं की गई है।बांग्लादेश के भी 21 लोगों की मौत हज के दौरान हुई है। इनमें से 18 पुरुष हैं और तीन महिलाएं। उन सबकी उम्र 48 से 90 साल के बीच है।बांग्लादेश की ओर से जारी हज संबंधित ताजा बुलेटिन में यह जानकारी दी गई है। मिडिल ईस्ट में पड़ रही भीषण गर्मी के बीच मक्का में 17 जून को तापमान 51.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं 18 जून को थोड़ी राहत के साथ पारा 47 डिग्री रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, 12 से 19 जून तक चले हज के बीच 90 भारतीय यात्रियों की भी मौत हुई है। हज कमेटी ऑफ इंडिया के मुताबिक, इस साल सबसे ज्यादा 1,75,000 भारतीय हज यात्रा के लिए मक्का पहुंचे। केरल के हज मंत्री अब्दुर्रहीमन ने बुधवार को केंद्र सरकार से भारतीयों की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने की मांग की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इसके लिए उन्होंने विदेश मंत्री एस जयशंकर और जेद्दाह में मौजूद भारत के वाणिज्य दूतावास को खत लिखा। केरल से करीब 18 हजार 200 हाजी सऊदी अरब गए थे।मंत्री अब्दुर्रहीमन ने लिखा कि जेद्दाह पहुंचने के बाद जायरीनों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। उन्हें 30 किमी दूर असीसी जाने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा।

मिस्र के यात्रियों की तादाद इसीलिए ज्यादा

इसके अलावा वहां रुकने की व्यवस्था भी ठीक तरह से नहीं की गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मरने वालों में मिस्र के यात्रियों की तादाद इसीलिए ज्यादा है, क्योंकि इनमें कई ऐसे हैं जिन्होंने हज के लिए रजिस्टर नहीं कराया था। बता दें कि हर साल हज पर जाने वाले हजारों यात्री ऐसे होते हैं, जिनके पास इसके लिए वीजा नहीं होता है। पैसों की कमी की वजह से इस तरह के यात्री गलत तरीकों से मक्का पहुंचते हैं। इस महीने की शुरुआत में सऊदी ने बिना रजिस्ट्रेशन वाले हजारों हज यात्रियों को मक्का से हटाया था। सऊदी अरब के अधिकारियों के मुताबिक, मक्का पर जलवायु परिवर्तन का गहरा असर हो रहा है। यहां हर 10 साल में औसत तापमान 0.4 डिग्री सेल्सियस बढ़ रहा है। पिछले साल हज पर गए 240 हज यात्रियों की मौत हुई थी। इनमें से ज्यादातर इंडोनेशिया के थे। इस साल करीब 18 लाख हज यात्री हज के लिए पहुंचे हैं। इनमें से 16 लाख लोग दूसरे देशों के हैं।

अंतिम संस्कार पर उठे सवाल

अब सवाल यह उठता है कि क्या हज दौरान मरने वाले जायरीनों के शव को स्वदेश ले आया जा सकता है? या फिर वहीं अंतिम संस्कार किया जाएगा? शव की शिनाख्त कैसे होगी? मृत्यु प्रमाणपत्र कहां से मिलेगा? ऐसी मामले में सऊदी अरब के हज संबंधित क़ानून में साफ जिक्र किया गया है कि अगर हज के दौरान किसी व्यक्ति की मौत हो जाती है तो उसका शव उसके देश में नहीं भेजा जाता। उसे सऊदी अरब में ही दफना दिया जाता है। हज यात्रा की तैयारी करते समय हर व्यक्ति हज से संबंधित एक आवेदन पत्र पर हस्ताक्षर करता है जिसमें लिखा होता है कि अगर सऊदी अरब की ज़मीन पर या आसमान में उसकी मौत हो जाती है तो उसके शव को वहां दफना दिया जाएगा। उनके परिवार या परिजनों की कोई आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569